मार्च 2020, वर्ष 1 अंक 2 ● हिंदी मासिक समाचार पत्रिका ● 1816/J.A.III-2019 ● www.newsbucket.in ● मूल्य 10 रुपये /-

न्यूज़ बकेट

काम कर गया बजरंगबली का कनेक्शन, आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को दी टेंशन

09

यूपी बजट में मेहरबान दिखे योगी, पेश किया ऐतिहासिक बजट

10

अबकी बार ट्रम्प सरकार?

L. JEE HOME FURNITURE

FURNITURE TO FIT EVERY STYLE EVERY BUDGET UNDER ONE ROOF

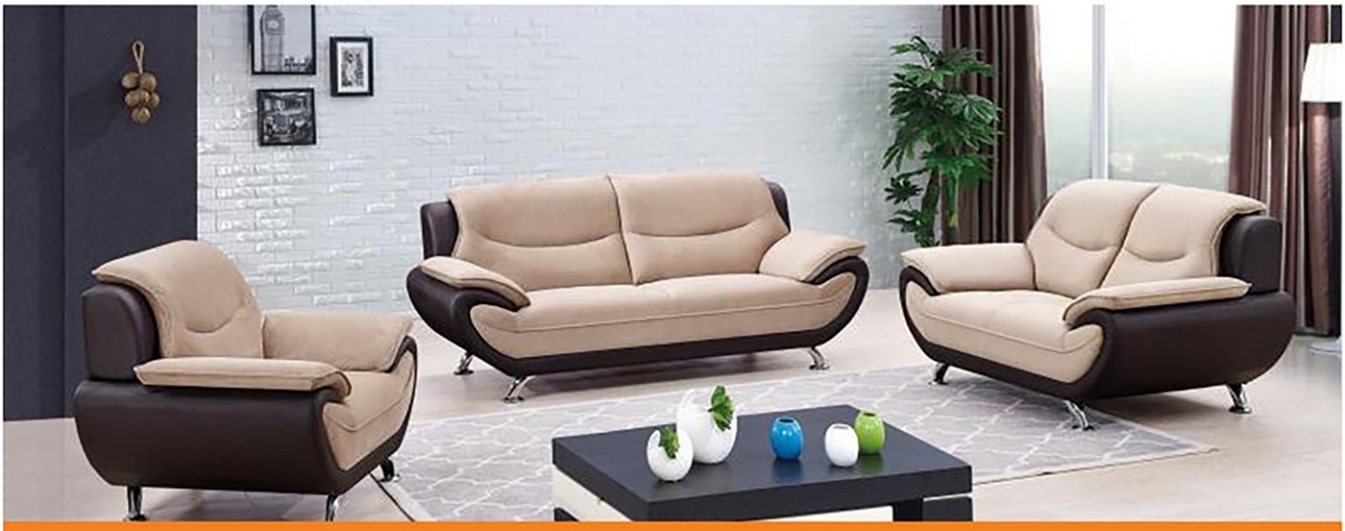

ONE OF THE OLDEST FURNITURE MANUFACTURER IN VARANASI

OPEN EVERY DAY MONDAY TO SUNDAY 9:00 AM TO 7:00 PM

080099 89900, 91612 44466
080099 89900
l.jeehome@gmail.com
https://ljeehomefurniture.business.site/

Manduadih - Madauli Road
Near Kashi Gomti Bank,
Madauli, Varanasi, Uttar Pradesh,
India - 221108

भीतर

जानिए कैसा रहा ट्रम्प का भारत दौरा।

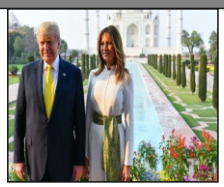

ट्रम्प और उनकी बेटी इवांका ने ताज नगरी में ताजमहल देखा और उससे जुड़े रहस्य भी जाने। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भारत दौरा इसलिए भी खास माना जा रहा है।

पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 6 पर...**

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में तीन हजार टन सोने का भंडारण मिलने से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ा फायदा हुआ है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि सोनभद्र जिले के दो जगहों जिसमें सोन पहाड़ी में 2993.25 टन और हरदी क्षेत्र में 646.15 किलोग्राम सोने का भंडारण मिला है।

पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 11 पर...**

इसलिए भारत को कहते थे सोने की चिड़िया...

बीएचयू के पूरा तत्व विभाग ने खोजा चार हजार साल पुराना शिल्प ग्राम

वाराणसी जिले के बभनियाव गांव के सर्वेक्षण में 8वीं शताब्दी से 5वीं शताब्दी के मध्य का मंदिर मिला है, चार हजार वर्ष पूर्व के मिट्टी के बर्तन के अलावा दो हजार साल पुरानी दीवार भी मिली है।

पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 14 पर...**

सम्पादकीय.....04
स्पेशल रिपोर्ट.....5-6
राष्ट्रीय.....7-9
उत्तर प्रदेश.....10-13
वाराणसी.....14-29
शिक्षा जगत.....20-21
रोचक तथ्य.....22
मनोरंजन.....23-26
खेल जगत.....27-30
पूजा पाठ.....31-34
सोशल मीडिया.....35
विविध.....36-38
स्वास्थ्य.....39-40
गृहणी.....41-42
टाइमपास.....43-44
पाठकनामा.....45
पृष्ठों का शेष.....46

न्यूज़बकेट

www.newsbucket.in

मार्च 2020

वर्ष 1 अंक 2

संस्थापक संरक्षक
संरक्षक : मिथिलेश पटेल
प्रधान संपादक : राजू श्रीवास्तव
कंटेंट एडिटर : विकास कुमार श्रीवास्तव
फोटो एडिटर : सुधीर कुमार गुप्ता
छायाकार : महेंद्र पटेल

कानूनी सलाहकार
भूपेश पाठक : **अधिवक्ता**
रवि प्रकाश तिवारी : **अधिवक्ता**

प्रधान कार्यालय (FIVE ALPHABETS)
बी - 31/19, आर बाबा शॉपिंग
काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी।
E-Mail : m@fivealphabets.com
मो0 : 9415147110, 8574479280, 9807505429

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मिथिलेश पटेल एवं संपादक राजू श्रीवास्तव ने रॉयल प्रिंटिग वर्क्स - C 25/2 राम कटोरा, चेतगंज, वाराणसी से मुद्रित कराकर बी - 31 /19, आर बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी से प्रकाशित किया।

पत्र संख्या - 1816/J.A.III-2019

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखक के हैं। उसमे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का क्षेत्र वाराणसी न्यायालय होगा।

वाराणसी का सुप्रसिद्ध जंगमबाड़ी मठ का 100वां स्थापना दिवस मनाया गया और जंगमबाड़ी मठ में वीरशैव धर्म के लोगों द्वारा 40 दिवसीय समारोह भी मनाया गया।

पेज न. 16 पर...

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी वासियो को दिया करोड़ो का सौगात

संपादकीय

क्योंकि अधूरेपन से संघर्ष करते रहना जरूरी है...

अधूरापन ज़िन्दगी का अनिवार्य सच है। इसका अर्थ है कि हम चाहे कुछ भी हासिल कर लें, यह अहसास ता उम्र बना ही रहता है कि अभी भी कुछ कमी है। ज़िन्दगी भर हम इन कमियों को पूरा करने की होड़ में लगे रहते हैं और एक दिन अचानक जीवन समाप्त हो जाता है।

महात्मा बुद्ध ने प्रथम आर्य सत्य में जब जगत को पूर्णतः दुखमय बताया तो उनसे पूछा गया कि जगत में तो सुख और दुःख दोनों है फिर आप जगत को सिर्फ दुखमय क्यों बता रहे हैं? बुद्ध ने इसके उत्तर में कहा कि गहरे स्तर पर सुख भी दुखदायी होता है। क्योंकि हर सुख को कभी न कभी खत्म होना ही है, इसलिए उसके खत्म होने पर फिर दुःख पैदा होता है। इसलिए सुख सिर्फ एक भ्रांति है, वास्तव में वो दुखों का ही भ्रामक रूप है।

बुद्ध की बात से हम सहमत हों या नहीं लेकिन यह बात सही है कि उनके इस सूत्र से जीवन में व्याप्त अधूरेपन को समझा जा सकता है। मान लीजिए कि किसी व्यक्ति का सपना आईएएस बनने का है। जब तक वो आईएएस अधिकारी नहीं बनेगा तब तक उसे एक अधूरापन महसूस होता रहेगा। पर ऐसा भी बिल्कुल नहीं है कि आईएएस बन जाने मात्र से ही उसका सपना समाप्त हो जाएगा। परीक्षा परिणाम के एक दिन पहले तक उसे उसकी इतनी इच्क्षा होगी कि उसका चयन प्रॉपर आईएएस के लिए ही हो और परीक्षा परिणाम आने के बाद कुछ ही घंटों में उसकी चिंताएं बदल जाएगी।

ज़िन्दगी रूपी इस कहानी में कोई भी अध्याय ऐसा नहीं है जब इंसान अधूरेपन की भावना से पूर्णत मुक्त होता हो। मनुष्य की चेतना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह अभाव के भाव से घिरी रहती ही है।

उसकी भाषा में कहीं ना कहीं हमारी चेतना में एक अभाव की चेतना है। यह अभाव इस या उस वस्तु का नहीं है बल्कि उस स्थिति का अभाव है जिसमें कोई अभाव न हो यानी व्यक्ति को हर तरह से पूर्णता हासिल हो। क्योंकि यह स्थिति असंभव है, इसलिए अभाव की चेतना बनी रहती है और हमें बेचैन करती रहती है। हर व्यक्ति अपने जीवन में कुछ पहलुओं में सफल होता है और कुछ में असफल किन्तु हमारी मानसिकता ऐसी है कि हम जिन पक्षों में सफल होते हैं उनके महत्व पर ध्यान नहीं देते। अपने इसी स्वभाव के कारण हम किसी भी कोशिश के बावजूद अधूरेपन के जंजाल से बाहर नहीं निकाल पाते।

सवाल है कि अगर अधूरापन ज़िन्दगी भर चलने वाली अनिवार्य सच्चाई है तो व्यक्ति इससे संघर्ष क्यों करें?

यह सही है कि हम हर संभव कोशिश की बाद भी अधूरेपन की अनुभूति से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकते, लेकिन यह भी सच है कि हम अपने अधूरेपन को कम और बेहतर बना सकते हैं। इसका सही तरीका है कि अपनी ज़िन्दगी से जुड़ें फैसले लेते हुए कोशिश करनी चाहिए कि हम वही फैसला करें जो हमारी अंतरात्मा का फैसला है।

दूसरा तरीका यह है कि व्यक्ति अपनी प्राथमिकताओं का निर्धारण ठीक तरीके से करे। व्यक्ति को वही छेत्र चुनना चाहिए जो उसकी मूल प्रकृति या स्वधर्म के अनुरूप है। अगर किसी को पढ़ने में सुख मिलता है तो उसे अकादमिक छेत्र में जाना चाहिए और जिसे संघर्ष करने में सौंदर्य दिखता है, उसे सैनिक बनना चाहिए। ऐसा होने पर अधूरापन खत्म भले ही न हो पर वह काफी कम अवश्य हो जाता है।

सार यह कि अधूरेपन की भावना जीवन का अनिवार्य पक्ष है, पर हमें उसका लाभ उठाना चाहिए। निरकर्थ चीजों में खुद को उलझाने से बचना चाहिए और अपनी अंतरात्मा के अनुसार निर्णय करते हुए जीवन को उत्कर्ष की ओर ले जाने का प्रयास करते रहना चाहिए।

–राजू श्रीवास्तव

स्पेशल रिपोर्ट

अबकी बार ट्रंप सरकार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे का एक लम्बे समय से इंतज़ार था. ऐसा पहली बार हो रहा था कि एक विदेशी राजनेता का लाखों की रैली में सम्मान किया जा रहा हो. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तैयारी की एक-एक बारीकियों पर नजर रखी और नतीजा गुजरात के मोटेरा स्टेडियम में नज़र आ गया. अमेरिका से एक लंबी यात्रा कर सीधा अहमदाबाद पहुंचने के बाद बिना रुके ट्रंप परिवार सीधा साबरमती आश्रम और फिर मोटेरा स्टेडियम पहुंचा.

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत आगमन पर पूरी दुनिया की निगाह बनी हुई थी। लेकिन पाकिस्तानी मीडिया और वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान की निगाहें खासतौर पर ट्रंप की यात्रा पर थी। उन्हें लगता था कि कश्मीर पर यदि डोनाल्ड ट्रंप एक शब्द भी निकालते हैं तो वह पाकिस्तान की कूटनीतिक सफलता होगी।

लेकिन मोटेरा स्टेडियम से पाकिस्तान को अतिवाद के सफाए में सहयोग की जो नसीहत ट्रंप ने दी, उससे इस्लामाबाद में निराशा जरूर दिखी होगी। इमरान खान की तकलीफ बढ़ने की दूसरी वजह भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग भी होगा। ट्रंप के भारत आगमन से एक दिन पहले रविवार को इमरान खान 'कश्मीर महिला प्रतिरोध दिवस' मना रहे थे। यह सब इसलिए हो रहा था, ताकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान किसी बहाने कश्मीर पर केंद्रित कराया जा सके। लेकिन ऐसा कुछ भी नही हुआ बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप का पाकिस्तान विरोध में बोलना, इमरान खान के चिंता का विषय बन गया।

दूसरी ओर ट्रंप से हमारी नजदीकियों के बारे में बीते कई माह से व्यापक चर्चा जारी है लेकिन ज्वलंत सवाल यह है कि 'अबकी बार ट्रंप सरकार' के नारों से लबरेज जो कूटनीति प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं, डेमोक्रेट के जीतने के बाद उसका साइड इफेक्ट क्या भारत-अमेरिका संबंधों पर नहीं पड़ेगा? इस चिंताओं को हम विमर्श के दायरे से बाहर नहीं कर सकते।

भारत-अमेरिका संबंधों को हमें चार हिस्सों में बांटकर देखना चाहिए। पहला, विश्व राजनीति में भारत को अमेरिका किस रूप में मजबूती देता है? दूसरा, हमारे उभयपक्षीय संबंध व्यापार और सुरक्षा कितने सुदृढ़ होते हैं? तीसरा, पाकिस्तान के संदर्भ में अमेरिका को कैसे भारत के पाले में रखना है? चौथा, चीन को काउंटर करने के लिए अमेरिका कैसे भारत का सहयोगी बनेगा?

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता वाले सवाल को हाशिए पर ही रखा है। मगर जी-20 जैसे फोरम पर भारत की अहमियत को बनाए रखा है।

वैसे अमेरिकी राष्ट्रपतियों के भारत आने की बात करें तो जिम्मी कार्टर वर्ष 1978 में भारत आए थे। वो अपने कार्यकाल में कभी भी पाकिस्तान नही गयें। बिल क्लिंटन ने मार्च 2000 में भारत समेत पाकिस्तान व बांग्लादेश की यात्रा की थी। जॉर्ज डब्ल्यू बुश 2006 में अफगानिस्तान, भारत और पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। आइजन हावर से लेकर ओबामा तक अमेरिका के जो पांच राष्ट्रपति भारत आए, उनमें से दो - जिम्मी कार्टर और बराक ओबामा ने पाकिस्तान का रुख कभी नहीं किया। तो यह कहना भी एक तरह से अतिशयोक्ति है कि ट्रंप पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जो इस यात्रा में पाकिस्तान नहीं गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत दौरे में क्या रहा ख़ास ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने परिवार के साथ भारत की दो दिवसीय यात्रा पर थे। ट्रम्प सबसे पहले अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वो अपने परिवार के साथ सीधे अहमदाबाद के साबरमती आश्रम पहुंचे जहां प्रधानमंत्री स्वयं उनके स्वागत के लिए मौजूद थे। ट्रम्प और मेलानिया ने अपने जूते साबरमती आश्रम के बाहर उतारकर प्रवेश किया। ट्रम्प ने सबसे पहले महात्मा गांधी की प्रतिमा को नमन किया और प्रधानमंत्री से आश्रम की विशेषताओं को जाना।

प्रधानमंत्री मोदी ने खादी के अंगवस्त्र देकर ट्रम्प जा स्वागत किया। ट्रम्प ने साबरमती आश्रम में आश्चर्य के साथ सूत कातने वाले चरखे को देखा और उसे चलाने का अनुभव भी लिया। लगभग 15 मिंट साबरमती आश्रम में रहने के बाद ट्रम्प मोटेरा स्टेडियम के निकले।

ट्रम्प के मोटेरा स्टेडियम पहुंचते ही लोगों ने जमकर स्वागत किया। ट्रम्प ने मोटेरा स्टेडियम में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि हर मानव के प्रति श्रद्धा का भाव रखते हुए मुडो उनमें ईश्वर नजर आता है। ट्रम्प ने भारतीय फिल्मों और भारतीय क्रिकेटरों की जमकर तारीफ की।

ट्रम्प और उनकी बेटी इवांका ने ताज नगरी में ताजमहल देखा और उससे जुड़े रहस्य भी जाने।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भारत दौरा इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि इसी वर्ष अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव भी होने है और ट्रम्प के इस भारत दौरे से अमेरिका में रह रहे भारतीयों का वोट बैंक उनके काम आ सकता है। भारत से नजदीकियां ट्रम्प को जीत दिलाने में मददगार साबित हो सकती है।

ट्रम्प में पहले ही ये ऐलान कर दिया था कि इस दौरे में भारत के साथ कोई भी व्यापारिक समझौता नहीं करेंगे मगर ट्रम्प में ये संकेत दिया था कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय वार्ता का असर बड़ा होगा। ट्रम्प के इस दौरे में भले ही कोई व्यापारिक समझौता न हुआ हो मगर बीते वर्ष में भारत-अमेरिका का कारोबार चीन-अमेरिका के व्यापर की तुलना में एक अरब ज्यादा रहा है जो भारत के लिए अच्छा संदेश है।

राष्ट्रीय

पुलवामा शहीदों को इस शख्स ने दी सच्ची शहादत

14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 सीआरपीएफ के जवानों को शायद सरकार कहीं ना कहीं भूल गई मगर एक शख्स ने पुलवामा हमले की बरसी पर ऐसा कारनामा किया जिससे पुलवामा हमले के शहीदों सच्ची श्रद्धांजलि दी गयी। पेशे से गायक उमेश गोपीनाथ जाधव ने पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। उमेश ने पुलवामा हमले में शहीद हुए सभी जवानों के घर से मिट्टी ली और उसे लेकर शहीदों की कर्मभूमि पर पहुंचा। उमेश जाधव के द्वारा किए गए इस राष्ट्रभक्ति को नमन करते हुए सीआरपीएफ के लोगों ने भी शहीद स्मारक स्थल पर उनके द्वारा लाई गई जवानों के घरों की मिट्टी को प्रतिष्ठित किया। पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 जवानों के घर जाना और उनके घर की मिट्टी को इकट्ठा कर शहीद स्मारक स्थल पर पहुंचना एक संदेश देता है और इसमें उमेश की राष्ट्रभक्ति की भावना साफ देखी जा सकती है। सभी शहीदों के घर जाकर उसकी मिट्टी लेने के लिए उमेश यादव को लगभग 61 हजार किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पुलवामा हमले में शहीद सीआरपीएफ के जवानों का स्मारक स्थल उनके बलिदान स्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर लिथपोरा कैंप परिसर में ही बनाया गया है। शहीद स्मारक स्थल पर एडीजी सीआरपीएफ जुल्फिकार हसन ने उमेश यादव को सम्मानित किया उमेश यादव की राष्ट्रभक्ति और देश के जवानों के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें शहीद स्मारक स्थल के उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उमेश यादव ने अपनी इस यात्रा के बारे में बताया कि उन्होंने किसी की खुशी के लिए ऐसा नहीं किया है और ना कोई सम्मान पाने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने बताया कि शहीदों की शहादत के आगे देश का हर सम्मान फीका है। उमेश जाधव ने कहा कि उनका सिर्फ एक ही उद्देश्य था कि इस हमले में शहीद हुए जवानों को सम्मान और श्रद्धांजलि देना।

08

जानिए क्या है आम बजट पर अर्थशास्त्रियों की राय?

09

काम कर गया बजरंगबली का कनेक्शन, आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को दी टेंशन

09

बीएसएफ असिस्टेंट कमांडेंट ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

जानिए क्या है आम बजट पर अर्धशास्त्रियों की राय?

आज मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में दूसरा 2020-21 का केंद्रीय बजट पेश 1 फरवरी के दिन हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आम बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात करने के बाद केंद्रीय बैठक में हिस्सा लिया और उसके बाद आम बजट पेश करने के लिए लोकसभा पहुंची।

इस आम बजट को पेश करने के लिए वित्त मंत्री ने फिर से लाल रंग की बही खाते का इस्तेमाल किया जैसा कि इससे पहले उन्होंने किया था।

इस बजट को तैयार करने में वित्त सचिव राजीव कुमार, एक्सपेंडिचर सेक्रेटरी टीवी सोमनाथन, विनिवेश सचिन तुहीनकांत पाण्डेय, राजस्व सचिव अजय भूषण पांडेय और आर्थिक मामलों के सचिव अतनु चक्रवर्ती की विशेष भूमिका रही।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट अर्थशास्त्र अचल कुमार गौड़ ने बताया कि जो केंद्रीय बजट लोकसभा में पेश किया गया उसमें अंडरटेकिंग पब्लिक सेक्टर में विनिवेश के बारे में ज्यादा ध्यान दिया गया है।

जैसे एलआईसी और रेलवे के कुछ पार्ट को प्राइवेट सेक्टर में देने के बारे में कहा गया। बजट में देखा गया कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार ज्यादा विनियोग के बारे में सोच रही है और लगभग 100 लाख करोड़ का जो निवेश सरकार द्वारा दिया जा रहा है वो एक अच्छा कदम है।

इसके अलावा मीडियम, स्मॉल और मिक्रो इंटर प्राइजेज में गति प्रदान करने के लिए इस बजट में सरकार ने विनियोग किया है। कम आय वाले लोगों को भी इससे फायदा होगा। क्यूंकि वर्तमान में जो भारत की आर्थिक स्थिति है उसमें सरकार को स्वयं ज्यादा खर्च करना चाहिए।

सरकार को खर्च के मामले में आगे आना चाहिए क्योंकि वर्तमान स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र या ऑर्गेनाइजेशन सेक्टर में सबसे बड़ी समस्या आय की है और जब सरकार पैसा खर्च करेगी तो यह आय कि समस्या का समाधान हो सकता है।

अगर इन सेक्टर्स के पास पैसा आता है तो उससे मांग व पूर्ति दोनों की डिमांड बढ़ेगी, जो कि एक लाभ का संकेत है। सरकार के इस पहल से रोजगार और उत्पादन की क्षमता बढ़ेगी और राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि होगी।

सरकार ने जिस प्रकार शिक्षा, मेडिकल व इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की बात कही है। कुछ सोशल सेक्टर में भी सरकार ने विनिवेश की बात कही है और यदि सरकार वास्तव में इतना पैसा खर्च करती है तो निश्चित रूप से भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और जीडीपी बढ़ेगी।

ए के गौड़ ने बताया कि इससे पहले रेल बजट को केंद्रीय बजट के साथ पेश नहीं किया जाता था मगर यदि दोनों बजट को साथ में पेश किया गया और इससे कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर है उस पर बहुत ज्यादा खर्च सरकार करती है और उससे सरकार को आय भी होती है।

अगर इसे बजट से अलग रखा जाए तो इसे तैयार करने में सरकार को काफी समस्या का सामना करना पड़ता था और रेल बजट को आम बजट के साथ पेश करना एक अच्छा कदम है।

काम कर गया बजरंगबली का कनेक्शन, आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को दी टेंशन

दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोटिंग की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद मंगलवार की सुबह से ही वोटों गिनती जारी रही। दिल्ली के 11 जिलों में हुए वोटिंग के बाद वोटों की गिनती शुरू होते ही रुझानों के अनुसार आम आदमी पार्टी ने बहुमत के आकड़ो को पार कर लिया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी आप को सिर्फ 08 सीटों पर टक्कर दे पायी। दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस का कोई नामो निशान देखने को नहीं मिला। दिल्ली में आप ने 70 सीटों में से 64 सीटों पर जीत हासिल की।

पहले चार चरण की काउंटिंग में ही 'आप' ने 51 फीसदी मतों की बढ़त हासिल कर ली थी। दिल्ली में तीसरी बार लगातार 'आप' सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

दिल्ली में चुनावी उठापटक के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सभी को मालूम है कि आम आदमी पार्टी सत्ता में वापस आ रही है। बीजेपी और उसके साम्प्रदायिक एजेंडो के खिलाफ आम आदमी पार्टी की जीत महत्वपूर्ण है। हालाँकि कांग्रेस के लिए हार का सन्देश अच्छा नहीं जायेगा।

बीएसएफ असिस्टेंट कमांडेंट ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

20 फरवरी को जम्मू-कश्मीर में तैनात कठुआ जिले में बीएसएफ के 90वीं बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट वी.बी.यादव ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज से कैंप भीतर अफरा तफरी मच गयी लेकिन जब मौके पर असिस्टेंट कमांडेंट की लाश मिली तो स्थिति साफ हो गयी। आपको बता दें कि वी बी यादव ने कैंप के भीतर ही खुद को गोली मारी। फ़िलहाल अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है और इस संदर्भ में बीएसएफ ने जांच शुरू कर दी। बीएसएफ के कठुआ जिले में सीमा पर तैनात कैंप में जवान के खुद को गोली मारने की घटना को लेकर अधिकारी भी चकित हो गये। सेना के अधिकारियों का कहना है कि गोली की आवाज सुनने के बाद उन्हें भी घटना की जानकारी हुयी और इस घटना की गहन जांच की जायेगी। गोली लगने के बाद मौके पर ही जवान की मौत हो गयी और शव को पोस्टमार्टम के लिए उप जिला अस्पताल हीरानगर में भेज दिया गया।

उत्तर-प्रदेश

यूपी बजट में मेहरबान दिखे योगी, किये 14 बड़े ऐलान

यूपी की योगी सरकार ने 2020-21 का ऐतिहासिक बजट पेश किया। पहली बार ऐसा हुआ कि यूपी का बजट 5 लाख 12 हजार 860 करोड़ 72 लाख का बजट पेश किया गया हो। ये यूपी का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। योगी सरकार के इस बजट में धार्मिक नगरियों के विकास कार्य पर जोर दिया गया।

क्या है खास ?

यूपी सरकार में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश किया जिसमें धार्मिक कार्यों के विकास के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के विकास और नगरों के विकास कार्य शामिल है। इस बजट में अयोध्या में मंदिर निर्माण, अयोध्या में एयर पोर्ट निर्माण के साथ यूपी में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है ,इस बजट में प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का खास ख्याल रखा गया है और करोड़ो की सौगात दी गयी है।

किसको कितना मिला बजट ?

1. योगी सरकार के बजट 2020-21 में महिला एवं बाल कल्याण पर विशेष ध्यान रखा गया है जिसमे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए 68 जनपद में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा जिसके लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। महिला पेंशन योजना के अंतर्गत 500 करोड़ की धनराशि लाभार्थी के खाते में भेजने का प्रावधान किया गया और इसी योजना के अंतर्गत 1,432 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

2. उत्तर प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजनाओं को ध्यान में रखा गया है और यूपी में मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए कुल 844 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है जिसमे आगरा, कानपुर और गोरखपुर को शामिल किया गया है।

3. इस बजट में स्वच्छ भारत मिशन के लिए 5,791 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास के तहत 5 लाख आवास निर्माण के लिए 6,240 करोड़ की व्यवस्था की गयी है। मनरेगा की योजनाओं के लिए 4,800 करोड़, जल शक्ति और नमामि गंगे और ग्रामीण जल आपूर्ति के लिए 6 हजार करोड़, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लिए 200 करोड़ और युवाओं के रोजगार प्लेसमेंट और सृजन के लिए 1200 करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में की गयी है।

4. लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल की स्थापना को 50 करोड़, दिल्ली से मेरठ रीजनल ट्रांजिट सिस्टम के लिए 900 करोड़, अटल आवासीय विद्यालय को 27 करोड़, नई परियोजना को 10 हजार 967 करोड़ 87 लाख, गांवो में जल जीवन मिशन को 3 हजार करोड़ और केजीएमयू को 919 करोड़ का बजट पास किया गया है। इस बजट में पुलिस विभाग के भवनों के लिए 650 करोड़, आवासीय भवनों के लिए 600 करोड़ और स्थगित भवनों को 300 करोड़ की व्यवस्था की गयी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीएचसी को 100 बीएड के अस्पताल के लिए 50 करोड़, एसपीजीआई के लिए 820 करोड़, केजीएमयू लखनऊ के लिए 919 करोड़। पुलिस बल योजनाओं के लिए 122 करोड़ और विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए 60 करोड़ दिया गया है।

11
इसलिए भारत को कहते थे सोने की चिड़िया

12
04 वर्ष की मासूम से हैवानियत, हत्या कर घर में छुपाई लाश

13
पति ने 200 रुपये के लिए पत्नी को फोन पर दिया तीन तलाक

13
विहिप के मॉडल पर होगा राम मंदिर का निर्माण

अप्रैल से इंडियन ऑयल देगा BS-6 फ्यूल

प्रदूषण नियंत्रण के लिए इंडियन ऑयल ने अप्रैल 2020 से देश में बेहतर फ्यूल देने का फैसला किया है। इंडियन ऑयल कम्पनी एक अप्रैल से लोगों को BS-6 फ्यूल के रूप में डीजल और पेट्रोल देगी। बीएस-6 फ्यूल में पीपीएम की मात्रा 50 से 10 होने से धुआं कम निकलता है जिससे कम प्रदूषण फैलता है। सर्वोच्च न्यायलय के आदेश जिसमे प्रदूषण पर नियत्रण की बात कही गयी है और आदेश पर भारत सरकार ने तेल शोधन कंपनियों को निर्देश दिया कि वो पर्यावरण अनुकूल पेट्रोलियम पदार्थ तैयार करें। आगरा के साथ साथ पूरे एनसीआर में बीएस-6 फ्यूल देने का काम पहले से ही शुरू है। इंडियन ऑयल के चीफ डिविजनल मैनेजर संजीव ने बताया कि एक अप्रैल से बीएस-6 फ्यूल को पूरे एनसीआर में प्राप्त कराया जायेगा जिससे फैलने वाले प्रदूषण में 5 गुने की कमी आएगी। इंडियन ऑयल के देश भर के पम्पों पर एक अप्रैल से मिलेगा। लगभग 17 हजार करोड़ के खर्च से रिफायनरी में बदलाव के बाद प्रदूषण को घटाने में मदद मिल सके।

बीएस-6 फ्यूल का ट्रायल पहले से ही शुरू किया गया जा चुका है और एक अप्रैल से पूरे देश के पेट्रोल पम्पों पर लोगों के लिए प्राप्त होगी। इंडियन ऑयल ने अनुसार कम्पनी पेट्रोल की पारदर्शिता पर भी काम कर रही है और लगातार मॉनिटरिंग जारी है।

लोहिया संस्थान में लगेगी प्रदेश की पहली गामा नाइफ मशीन

लखनऊ में लोहिया संस्था एडवांस न्यूरोसाइंस सेंटर बनने जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश में पहली गामा नाइफ मशीन की लगाई जा रही है। शासन ने गुरुवार को दोनों प्रस्तावों पर मुहर लगा दी है। सरकार के इस प्रयास से उत्तर प्रदेश में पहली बार ब्रेन ट्यूमर, हेड इंजरी और अन्य बीमारियों का इलाज बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

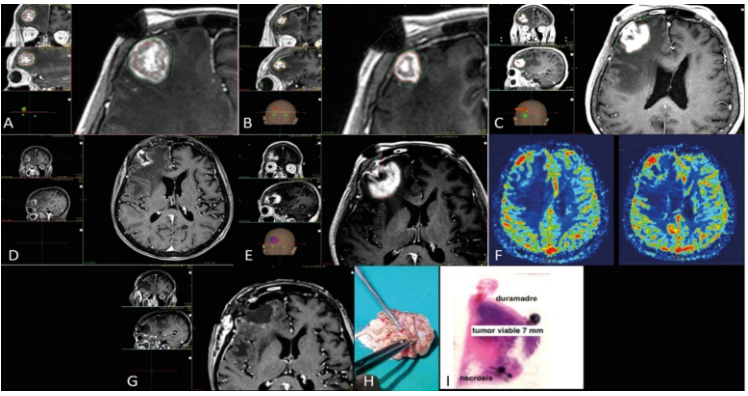

लखनऊ में लोहिया संस्थान की बैठक मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसी दौरान देश में पहली बार गामा नाइफ मशीन लगाने का फैसला लिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार इसे न्यूरो का स्टेट मॉडल सेंटर बनाना चाहती है। इस बैठक में एडवांस न्यूरो साइंसेज सेंटर की स्थापना को मंजूरी मिली। लोहिया संस्थान में चार मंजिल की न्यू ब्लॉक बिल्डिंग तैयार है और जल्द ही इसमें और दो मंजिल का इजाफ़ा किया जायेगा। निर्माण के बाद भवन में इमरजेंसी की व्यवस्था भूतल पर ही की जाएगी। न्यू ब्लॉक भवन में आधुनिक सुविधाओं के मद्देनजर भूतल पर दो और फ्लोर न्यूरो साइंस सेंटर बनाये जायेंगे। आपके जानकारी के लिए बता दें कि 90 बेड न्यूरो सर्जन यूरोलॉजी बनाने का इंतजाम किया जा रहा है। जिसमें मरीजो के न्यूरो का संपूर्ण इलाज एक ही जगह पर हो सकेगा। 180 बेड वाले प्रस्तावित सेंटर में 90 बेड की व्यवस्था न्यूरो के मरीजों के लिए की जाएगी।

इसलिए भारत को कहते थे सोने की चिड़िया

प्राचीन भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था मगर भारत पर राज्य करने वाले मुगल शासकों और अंग्रेजों ने भारत को लगातार क्षति पहुंचाते हुए लूट की और भारत की खनिज संपदाओं को अपने देश ले जाने लगे। आजादी के बाद से ही भारत की खनिज संपदा भारत देश के काम आने लगी। ऐसे में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में तीन हजार टन सोने का भंडारण मिलने से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ा फायदा हुआ है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि सोनभद्र जिले के दो जगहों जिसमें सोन पहाड़ी में 2993.25 टन और हरदी क्षेत्र में 646.15 किलोग्राम सोने का भंडारण मिला है। 2005 से ही भू वैज्ञानिकों के द्वारा यहां सोने के भंडारण की तलाश की जा रही थी। सोनभद्र जिले में सोने के भंडारण के अलावा 90 टन एंडालूसाइट नौ टन पोटाश,18.87 टन लौह अयस्क और 10 लाख टन सीमेनाइट के भंडारण की खोज की गई है।

2005 से ही खनिज निदेशालय जियो टैगिंग के द्वारा की जा रहे खोज में मिले सोने की रिपोर्ट 22 फरवरी को खनन निदेशक को सौंपी गई।

प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बर्तन धोने का वीडियो वायरल

सिद्धार्थ नगर के प्राथमिक विद्यालय में स्कूली बच्चों का बर्तन मांजते सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। यह वायरल वीडियो शिक्षा मंत्री के गृह नगर का बताया जा रहा है। वायरल हो रहा ये वीडियो जिले की शिक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। इस वायरल वीडियो में बच्चों को बर्तन मांजते देखा जा सकता है। फ़िलहाल यह वीडियो प्राथमिक विद्यालय इटवा बख्शी का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में प्राथमिक विद्यालय का एक कर्मचारी ये कहते हुए दिख रहा है कि जो करना है कर लीजिये। बिना किसी डर के वो खुद बीएसए से बात कराने की बात कह रहा है। वायरल हो रहे इस वीडियो पर सिद्धार्थ नगर के जिलाधिकारी ने कहा इस वायरल वीडियो के बाबत बीएसए को सूचित किया गया है और वीडियो का सच सामने आने पर निश्चित तौर पर कार्रवाई की जाएगी।

04 वर्ष की मासूम से हैवानियत, हत्या कर घर में छुपाई लाश

यूपी के सीतापुर जिले में बेहद शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आयी है। 4 वर्षीय मासूम बच्ची हैवानियत का शिकार हो गयी। आरोपी को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया।

दरअसल सीतापुर जिले के कोतवाली महोली क्षेत्र में रिछाहीं कस्बे में 4 वर्षीय मासूम पड़ोस में शाम को खेल रही थी। घर के पड़ोस में ही रहने वाले शख्स ने बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और वहां उसके साथ बलात्कार किया।

बलात्कार करने के बाद उसे मारकर बोरे में अपने घर में ही छुपा दिया। किसी तरीके से बच्ची के परिजनों को यह सूचना मिली तो उन्होंने खुद उसके घर की तलाशी ली और बच्ची के शव को बरामद किया।

घटना की सूचना देने पर देर से पहुंची पुलिस पर आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया और एन एच 24 रोड पर जाम लगा दिया। सूचना पाकर एडिशनल एसपी महेंद्र प्रताप चौहान मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
महेंद्र प्रताप चौहान ने बताया कि यह बहुत शर्मनाक घटना है तत्काल कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

कृषि विभाग में पत्रावली गायब होने से मचा हड़कंप

यूपी के बस्ती जिले में हरितक्रांति योजना की पत्रावली गायब होने का मामला सामने आया। योजना की पत्रावली में करोड़ो रूपये के अनुदान का दावा किया जा रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि जांच और कार्यवायी से बचने के लिए पत्रावली को गायब किया गया है।

6 माह पूर्व में खलिहान पक्कीकरण की पत्रावली गायब होने के बाद यह दूसरा मामला है जिसमे हरितक्रांति योजना की पत्रावली गायब हुयी है। अधिकारी लगातार बहाना बना रहे है कि पत्रावली लिपिक अपने साथ ले गए है और वापस मांगने के लिए लिखा पढ़ी की जा रही है।

उप निदेशक कृषि कार्यालय से दो-दो अनुदान की पत्रावली का गायब होना यह संदेह उत्पन्न करता है कि कहीं अनुदान में धांधली के कारण तो ऐसा नहीं किया गया। इस मामले में बीजेपी नेता हरीश सिंह ने शिकायत की है वहीं विभाग के विभागाध्यक्ष संजय कुमार त्रिपाठी ने इस विषय में कहा कि कोई फाइल गायब नहीं हुयी है।

इस विषय पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी पत्रावली के गायब होने की बात के बजाय मीडिया को कृषि यंत्रो पर शिक्षा देते नजर आये।

पति ने 200 रुपये के लिए पत्नी को फोन पर दिया तीन तलाक

सीतापुर। पूरे देश में तीन तलाक पर सरकार के अथक प्रयास के बाद रोकथाम लगायी गयी और सरकार के इस प्रयास पर मुस्लिम महिलाओं ने प्रधानमंत्री को ढेरों बधाइयां भी दी थी। मगर अभी भी तीन तलाक का दानव कहीं न कहीं अपनी बाहें फ़ैलाने से बाज नही आ रहा है।

तजा मामला यूपी के सीतापुर जिले से सामने आया है जहां पर पति ने महज 200 रुपये के लिए अपनी पत्नी को फोन पर ही तीन तलाक दे दिया। इस मामले में पीड़ित महिला सीतापुर के मानपुर थाने पहुंची और मुकदमा पंजीकृत कराया।

मामला सीतापुर जिले के मानपुर थाना क्षेत्र भुड़कुडी गांव का है जिसमे पति गुफरान ने अपनी पत्नी रोशनी बानो से 200 रुपये मांगे उन्होंने अपनी माँ से रुपये लेकर पति को दे दिया था महज इसी बात से नाराज पति ने अपनी पत्नी को फोन पर तीन तलाक दे दिया, जिससे पत्नी रोशनी बानो ने थाना मानपुर में लिखित तहरीर दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सम्बधित धाराओ में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

मुगलसराय कोतवाली में सिपाही ने खुद को मारी गोली

चंदौली के मुग़लसराय थाने में सुबह तड़के ही कांस्टेबल आशुतोष मिश्रा ने बैरक में रखे रायफल से खुद को गोली मार ली। सुबह लगभग 5 बजे ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल अपनी रायफल को बिस्तर के नीचे रखकर शौच के लिए गया। हेड कांस्टेबल के जाते ही मौका देखकर कांस्टेबल आशुतोष मिश्रा ने उसकी रायफल लेकर बैरक से बाहर आया और खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही थाने में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर चंदौली पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर फोरेंसिक टीम भी पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर पहुंचे एएसपी प्रेमचंद्र ने बताय कि बांदा जिले के रहने वाले आशुतोष मिश्रा ने आज सुबह ही हेड कांस्टेबल की रायफल से खुद को गोली मार ली। आशुतोष को नौकरी मिलने के बाद जिले में उसकी पहली तैनाती थी। घटना के पहले आशुतोष ने अपना मोबाईल भी तोड़ दिया था।

विहिप के मॉडल पर होगा राम मंदिर का निर्माण

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए बनाये गये ट्रस्ट की पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्व हिन्दू परिषद के मॉडल पर ही राम मंदिर का निर्माण किया जायेगा। राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में महंत नृत्यगोपाल दास को ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाया गया और पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र को मंदिर के निर्माण समिति का कार्य सौंपा गया। राम मंदिर ट्रस्ट की पहली बैठक में राम मंदिर के निर्माण और तीर्थ क्षेत्र पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में मंदिर आंदोलन से जुड़े नृत्य गोपाल दास को राम मंदिर ट्रस्ट की कमान सौंपी गयी। बैठक में विहिप उपाध्यक्ष चंपत राय को राम मंदिर ट्रस्ट का महासचिव और गोविन्द गिरी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट की प्रथम बैठक में ये फैसला लिया गया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष के द्वारा ही मंदिर निर्माण से जुड़े सभी फैसले लिए जायेंगे। मंदिर के निर्माण में मंदिर की ऊंचाई को लेकर कुछ बदलाव किये गए है। ट्रस्ट की बैठक में यह फैसला लिया गया कि रामलाल को अस्थायी रूप से विराजित के लिए निर्माण समिति अधिगृहीत भूमि का निरीक्षण करेगी। इस बैठक में कुल 9 प्रस्ताव पारित किये गये।

वाराणसी

15

महिलाओं ने गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमत को लेकर किया अनोखा प्रदर्शन

16

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी वासियो को दिया करोड़ो का सौगात

17

'कोरोना' की मार से इस बार बीमार रहेगा होली का बाजार

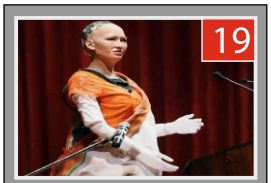

19

BHU के सभागार में पहुंची वुमन रोबोट सोफिया, केक काटकर मनाया जन्मदिन

बीएचयू के पूरा तत्व विभाग ने खोजा चार हजार साल पुराना शिल्प ग्राम

वाराणसी के बभानियाव गांव में बीएचयू के पूरा तत्व विभाग ने चार हजार साल पुराने शिल्प ग्राम की खोज कर ली है। इस शिल्प ग्राम का उल्लेख भारत के प्राचीन ग्रंथो में भी पाया गया है। खोजकर्ताओं ने मिले शिल्प ग्राम के बारे में बताया कि ये अति प्राचीन शिल्प ग्राम है जिसके निशान का जिक्र वाराणसी से संबंधित साहित्य में उपल है। बीएचयू के प्रोफेसर ए.के.दुबे ने बताया कि वाराणसी जिले के बभनियाव गांव के सर्वेक्षण में 8वीं शताब्दी से 5वीं शताब्दी के मध्य का मंदिर मिला है, चार हजार वर्ष पूर्व के मिट्टी के बर्तन के अलावा दो हजार साल पुरानी दीवार भी मिली है। फ़िलहाल इस स्थल की खुदायी का काम और किया जायेगा ताकि वर्षों से छुपे रहस्यों को उजागर किया जाय। उन्होंने बताया कि वाराणसी से निकटता होने से इसका महत्व और भी अधिक हो जाता है और ग्रंथो के अनुसार यहां हिन्दू देवी देवताओं के होने के संकेत भी प्राप्त हो सकते है क्योंकि पौराणिक कथाओं के अनुसार पांच हजार वर्ष पूर्व में देवताओं को यहां भगवान शिव ने स्थापित किया था।

आईएसआई को भारत में प्रवेश करवाने वाली बीजेपी : दीपेंद्र सिंह हुड्डा

वाराणसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने वाराणसी में मीडिया से बातचीत के दौरान बीजेपी पर बड़े आरोप लगाये। हुड्डा ने कहा कि पठानकोट में हुए हमले के बाद बीजेपी ने आईएसआई के लोगों को भारत में प्रवेश कराया। जबकि उन्होंने मुम्बई पुलिस के कमिश्नर की लिखी गयी किताब में मुम्बई के आतंकवादी हमले के पकडे गये कसाब को हिन्दू आतंकवादी की तरह पेश किये जाने की साजिश की बात पर चुप्पी साधी मगर पठानकोट में हुए हमले पर बीजेपी को घेरने से नहीं चुके। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी ने आईएसआई को भारत में प्रवेश करवाया था। उन्होने आगे कहा कि कांग्रेस ने ये 70 सालो में जो नहीं किया, वह बीजेपी ने करके आईएसआई को भारत की पवित्र भूमि पर आने की अनुमति प्रदान कर किया। सीएए और एनआरसी को लेकर हुड्डा ने कहा कि सरकार ने गलत फैसले किये है और अब वो उन्हें जनता पर थोपना चाहती है। शाहीन बाग पर हुड्डा ने कहा कि लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. लगातार पूरे देश में सरकार की तरफ से लागू किए जाने वाले नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर हंगामा मचा है, लेकिन सरकार अपने हिसाब से चीजें कर रही है।

उत्तराखंड की बीजेपी सरकार पर भी तंज कसते हुए हुड्डा ने भेदभाव का आरोप लगाया और बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार दलित विरोधी है। उन्होंने कहा कि सरकार इस तरह की चीजें करके कुछ लोगों को फायदा पहुंचाना चाहती है।

महिलाओं ने गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमत को लेकर किया अनोखा प्रदर्शन

दिल्ली के चुनाव के नतीजे आने के बाद सरकार ने 12 फरवरी से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि कर दी है। सभी महानगरों में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के मूल्य में लगभग 150 रूपये की वृद्धि हुयी है।

गैस सिलेंडर के बढ़ी कीमतों को लेकर वाराणसी में महिलाओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। महिलाओं ने गैस सिलेंडर को कूड़ेदान में फेंककर अपना विरोध जताया।

महिलाओं ने कहा कि सरकार जिस प्रकार से गैस कीमतों में वृद्धि कर रही है उसके असर से घर का बजट बिगड़ जायेगा। आम लोग पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे है उसके उपर से गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि से घर चलाना मुश्किल हो गया है।

महिलाओं ने कहा कि गैस की बढ़ी कीमत को लेकर हम गैस सिलेंडर को कूड़ेदान में फेंककर अपना विरोध जता रहे है और सरकार से ये मांग करते है कि जल्द से जल्द बढ़ी कीमत को घटाया जाय।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने गंगा आरती में शामिल होकर मनायी शादी की सालगिरह

वाराणसी पहुंचे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दशाश्वमेध घाट पर नित्य गंगा आरती में भाग लिया। हेमंत सोरेन ने अपनी शादी की सालगिरह माता पिता का आशीर्वाद लेकर मनाया। दरअसल हेमंत सोरेन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ नित्य होने वाली गंगा आरती में शिरकत करने के लिए वाराणसी पहुंचे थे। गंगा आरती के बाद उन्होंने काशी विश्वनाथ में दर्शन पूजन किया। गंगा आरती के दौरान हेमंत सोरेन अपने छोटे बेटे को गोद में लिए मंत्रोच्चारण करते नजर आये और उनकी पत्नी कल्पना भी हाथ जोड़कर प्रार्थना करती नजर आयी। हेमंत सोरेन ने कहा कि अपनी साल गिरह पर उन्होंने अपने माता पिता का आशीर्वाद लिया और इस अवसर पर भगवान के आशीर्वाद हेतु वाराणसी आये है। उन्होंने कहा कि बतौर मुख्यमंत्री मै पहली बार यहां आया हूं। उन्होंने आगे कहा कि मां गंगा का कुछ हिस्सा हमारे राज्य से भी गुजरता है और मां गंगा ने अपने एकत्रित शक्ति के रूप में देश को बांधी हुयी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी वासियो को दिया करोड़ो का सौगात

16 फरवरी को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशीवासियों को करोड़ो की सौगात दी। प्रधानमंत्री सबसे पहले वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से बीएचयू के लिए रवाना हुए।

प्रधानंमत्री ने वाराणसी के बीएचयू में 430 बेड वाले सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। करीब 200 करोड़ की लागत से बने इस हॉस्पिटल की आधार शीला प्रधानमंत्री ने 2016 में ही रखी थी क्योंकि यह प्रधानंमत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट का हिस्सा है। 7 मज़िलों वाला यह सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल 32 हजार वर्ग किमी में स्थित है।

2017 से ही इस हॉस्पिटल को बनाने की तैयारियां चल रही है जिसे 2018 तक तैयार किया जाना था। इस हॉस्पिटल की खासियत यह है कि इसमें 430 बेड के अलावा 13 मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर भी है। हाईटेक टेक्नोलॉजी से लैस इस हॉस्पिटल के सभी मंजिलों पर 6 बेड का आईसीयू तैयार किया गया है और 5 वीं मंजिल पर 45 बेड का एक बड़ा आईसीयू भी तैयार किया गया है जिससे इमरजेंसी में ज्यादा से ज्यादा लोगों का तत्काल इलाज हो सके।

वाराणसी का सुप्रसिद्ध जंगमबाड़ी मठ का 100वां स्थापना दिवस मनाया गया और जंगमबाड़ी मठ में वीरशैव धर्म के लोगों द्वारा 40 दिवसीय समारोह भी मनाया गया। इस धर्म ग्रंथ को एप्प के जरिये लांच किया गया जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस धर्म के लोगों की जब मृत्यु होती है तो इन्हे दफनाया जाता है और उनके नाम से वाराणसी के जंगमबाड़ी मठ में एक शिवलिंग स्थापित किया जाता है। वीरशैव धर्म के लोगों का मानना है कि बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी के जंगमबाड़ी मठ में शिवलिंग स्थापित करने से उनके पूर्वजों को मुक्ति की प्राप्ति होगी।

आपको जानकारी के लिए बता दें कि वीरशैव धर्म दक्षिण भारत में लोकप्रिय है और यह धर्म हिन्दुओं के लिंगायत समुदाय का एक उपसम्प्रदाय है। वीरशैव धर्म एक शैव परम्परा है और शैवागमों पर आधारित है। यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है जिसके कर्नाटक में ज्यादातर उपासक है। वीरशैव धर्म एक ईश्वरी धर्म है जिसको तमिल भाषा में 'शिवाद्वैत धर्म' या 'लिंगायत धर्म' के नाम से जाना जाता है और उत्तर भारत में इसे शैवागम के नाम से जाना जाता है।

प्रधानमंत्री का यह दौरा इसलिए भी खास रहा क्यूंकि प्रधानमंत्री ने वाराणसी के अलावा चंदौली का भी दौरा किया जहां उन्होंने पं दीनदयाल की 63 फिट ऊंची प्रतिमा और स्थली का लोकार्पण किया। यह पं दीन दयाल की सबसे बड़ी प्रतिमा है।

चंदौली के बाद प्रधानमंत्री वाराणसी के हस्त कला संकुल पहुंचे जहां वो 'काशी एक- रूप अनेक' कार्यक्रम में शामिल हुए।

'कोरोना' की मार से इस बार बीमार रहेगा होली का बाजार

वाराणसी। चीन में फैली महामारी कोरोना वायरस ने जहां चीन में स्वास्थ्य सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है वहीं चीन के व्यापार को भी प्रभावित किया है। होली आने को है और कोरोना वायरस के खतरे से चीन से सभी हवाई यात्राओं पर रोक लगा दी गयी है और हवाई यात्राओं पर लगे प्रतिबंध ने चीन के बाजारों की भी हालत ख़राब कर दी है।

दरअसल होली के अवसर पर चीनी पिचकारियों से भारत के बाजार सजे रहते है मगर इस बार बाजारों में चीनी पिचकारियों की कमी खलेगी। चीनी से आवागमन ठप होने पर सभी चीजों के बाजार प्रभावित हुए है। सिर्फ होली की खरीददारी ही नहीं बल्कि मोबाईल पार्ट्स की कीमतों में भी इजाफा हुआ है।

चीन के द्वारा कम कीमत और नयी वेराइटी की चीजें मार्किट में उपल रहती है मगर चीन से नया मॉल नहीं आ पाने के कारण नयी चीजें मार्किट से गायब है और इस बार होली में दुकानदार पुराने माल को ही खपाने में लगे है।

कोरोना के बाद मंडराया बर्ड फ्लू का खतरा

वाराणसी। चीन के वुहान शहर से फैला कोरोना वायरस ज्यादातर देशों को अपनी जद में लेने की फ़िराक में है। ऐसे में वाराणसी में बर्ड फ्लू का एक मामला सामने आया है जिसने वाराणसी के स्वास्थ्य विभाग की नींदे उड़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग इस मामले को लेकर पूरी तरह से सतर्कता बरतें हुए है।

दरअसल वाराणसी के राजातालाब इलाके में एक पेड़ के नीचे 3 कौवें मृत पाये गए थे जिससे इलाके में हड़कंप मचा हुआ था। प्रशासन ने जब इन मृतक पक्षियों की जांच करायी गयी तो उनमे से एक में बर्ड फ्लू के लक्षण मिले हैं। वाराणसी के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी बीबी सिंह ने बताया कि 10 फरवरी को राजातालाब में मिले मृतक कौवों में से एक में बर्ड फ्लू के लक्षण पाये गए थे। इसके बाबत पूरे जिले के पशु पालकों को अर्लट जारी कर दिया गया है और 96 पशुपालकों के 137 से ज्यादा

शेष पेज न0 46 पर...

बीएचयू की शालिनी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के दृश्य कला संकाय की छात्रा शालिनी सिंह ने नया कारनामा कर दिखाया है। एमएफए की प्रथम वर्ष की छात्रा शालिनी ने मोतियों से 551 लोगों का नाम लिखकर न्य वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। बीएचयू के गंगापुर कैम्पस में पढ़ने वाली शालिनी ने पोस्टरों प्रदर्शनी में 551 लोगों के नाम को मोतियों से लिखकर आकर्षण का केंद्र बन गयी। शालिनी ने 551 लोगों में प्रधानमंत्री सहित देश के खिलाड़ियों, अभिनेता, राजनेता और गायकों के नाम लिखे इस प्रदर्शनी में इस कला को जिसने भी देखा वो आश्चर्य चकित रह गया।

इस प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए शालिनी ने कहा कि कुछ अलग हटकर काम करने की इच्छा शक्ति ने उन्हें प्रेरित किया और उन्होंने ये कारनामा कर दिखाया जिसके लिए उन्हे यूरेशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड मिला है। शालिनी का सपना है कि वो ऐसे कारनामों के जरिये अपना नाम गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करा सकें।

कामधेनु अपार्टमेंट्स की दुकानों पर चला वीडीए का बुल्डोजर

वाराणसी के लंका क्षेत्र स्थित कामधेनु अपार्टमेंट्स की दुकानों पर वीडीए के बुलडोजर ने कहर ढाया। लगातार अवैध निर्माण को तोड़ने में वीडीए लगा रहा। जानकारी के अनुसार कामधेनु अपार्टमेंट्स की अवैध 38 दुकानों को वीडीए के बुलडोजर ने जमींदोज करने का काम शुरू किया था। दरअसल कामधेनु अपार्टमेंट और बिल्डर के बीच विवाद के कारण सुप्रीम कोर्ट ने इन अवैध दुकानों को तोड़ने का आदेश दिया था। वाराणसी विकास प्राधिकरण ने आदेश के बाद दुकानों को ध्वस्त करने का काम शुरू किया। वीडीए की कार्यवायी से गुस्सायें कामधेनु अपार्टमेंट में वर्षों से दुकान लगा रहे दुकानदारों ने मौके पर वीडीए और वाराणसी पुलिस के खिलाफ नारे भी लगाये। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को हटाया तभी जाकर आगे की कार्यवायी हो पायी। दुकानदारों ने आरोप लगाते हुए कहा कि वीडीए को बिल्डिंग के निर्माण के समय ही कार्यवायी करनी चाहिए थी।

6 साल के अर्जुन ने 'ग्लोबल आर्चरी वर्ल्ड कप' में जीता सिल्वर मेडल

वाराणसी के 6 वर्षीय तीरंदाज खिलाड़ी आदित्य सिंह उर्फ़ अर्जुन ने चीन के मकाउ में अंतरराष्ट्रीय इंडोर तीरंदाजी प्रतियोगिता 'ग्लोबल आर्चरी वर्ल्ड कप' में सिल्वर मेडल जीतकर पूरे देश का नाम रोशन किया है। अर्जुन सिंह ने फाइनल मुकाबले में अपने से ज्यादा उम्र के खिलाड़ियों को पराजित करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। वाराणसी के आदित्य सिंह के पिता डॉ अजय सिंह ने बताया कि अर्जुन बहुत कम उम्र से ही तीरंदाजी का प्रशिक्षण ले रहे हैं और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर हर वर्ष दिए जाने वाला पुरस्कार इस बार आदित्य सिंह को मिला है जोकि एक प्रसन्नता और हर्ष का विषय है। अर्जुन के पिता अजय सिंह ने बताया कि अर्जुन अब तक दो इंटरनेशनल मेडल जीत चुके है और दो बार नेशनल प्रतियोगिता में भी भाग ले चुके हैं और इसके अलावा लगातार विदेशों में भी अपने देश का झंडा ऊंचा करने का प्रयास कर रहे हैं।

वाराणसी में प्रधानमंत्री मिले मंगल केवट से

प्रधानमंत्री 16 फरवरी को वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर थे जहां एक ओर उन्होंने काशी वासियों को करोड़ो की सौगात दी वहीं स्वच्छता कार्य से जुड़े रिक्शा ट्राली चालक मंगल केवट से मुलाकात की।

16 फरवरी को प्रधानमंत्री वाराणसी के हस्त कला संकुल बड़ालालपुर में 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत 'काशी एक रूप अनेक' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गोद लिए गए आदर्श गांव डोमरी में मंगल प्रसाद केवट से मिले।

मंगल केवट ने अपनी बेटी की शादी में प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया था और प्रधानमंत्री ने अपने इस दौरे में मंगल से बेटी और दामाद का कुशल हाल चाल लिया। प्रधानमंत्री ने मंगल केवट द्वारा किये जा रहे स्वच्छता कार्य पर उनकी तारीफ की और मां गंगा को स्वच्क्ष रखने में उनके सहयोग पर प्रसन्नता जाहिर की। प्रधानंमत्री ने मंगल के स्वच्छता कार्य में और लोगों को भी जोड़ने की अपील की। 12 फरवरी को मंगल केवट की पुत्री का विवाह था जिसके संबंध में मंगल ने प्रधानमंत्री को निमंत्रण पत्र भेजा था और प्रधानमंत्री अपने वाराणसी दौरे में इस बात को नहीं भूले और मंगल से मुलाकात कर हाल चाल जाना।

वाराणसी पुलिस ने पकड़ा अफगानिस्तानी युवक

कुवैत जाने की तमन्ना रखने वाले अफगानिस्तानी युवक आबिद अब्दुल्लाह को फर्जी आधार कार्ड और वोटर आईडी के जरिये पासपोर्ट बनवाना महंगा पड़ गया। वाराणसी पुलिस ने आबिद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मामले का खुलासा करते हुए वाराणसी पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया अफगानिस्तान के युवक ने आजमगढ़ के फूलपुर निवासी साहेब आलम से फर्जी आधार कार्ड और फर्जी वोटर आईडी बनवाया था।

दरअसल साहेब आलम 2103 में वर्किंग वीजा पर 2 साल के लिए कुवैत गया मगर पहले से निर्धारित 200 दीनार की जगह 55 दीनार के हिसाब से उसे बकरी चराने का काम दिया गया। इसी बीच उसकी मुलाकात अफगानी युवक अली से हुई और उसके साथ कुवैत में साहेब ने 5 वर्षों तक वेल्डिंग का काम किया।

कुवैत सरकार ने देश में अवैध तरीके से रह रहे लोगों को वन टाइम आपाती आउटपास लेकर अपने देश लौट जाने का नियम निकाला जिसके बाद अली की मदद से साहेब आलम भारत आया। अली ने साहेब को बताया कि अफगानिस्तान के बहुत से लोग है जो कुवैत आना चाहते है लेकिन कुवैत सरकार उन्हें वीजा नही देती। उसके बाद साहेब आलम भारत आया और फर्जी पासपोर्ट बनवाने का कार्य करने लगा।पकड़े गये अफगानिस्तानी युवक ने बताया कि उसे कुवैत जाना था और फर्जी पासपोर्ट बनवाने के लिए साहेब ने उसे भारत बुलवाया था। आबिद ने बताया कि वो मेडिकल वीजा पर भारत आया और दिल्ली में घूमता रहा। 17 जनवरी को साहेब ने आबिद को आजमगढ़ बुलाया और आबिद का जावेद के नाम से फर्जी आधार कार्ड और फर्जी वोटर आईडी कार्ड बनवाया जिसके लिए साहेब ने 20 हजार रूपये भी लिए। पुलिस की पूछताछ में आबिद ने साहेब आलम के बारे में बताया और पुलिस ने साहेब को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया।

घर में चल रहे सेक्स रैकेट पर पुलिस का छापा, भागने के लिए युवती ने लगायी छत से छलांग

वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के पहड़िया स्थित संजय नगर कालोनी में एक मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया। क्षेत्रीय लोगों द्वारा दी गयी सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से 3 युवक और 4 युवतियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के छापे के दौरान एक युवती ने भागने के लिए छत से छलांग लगा दी। अधिक ऊंचाई से गिरने के कारण युवती की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के स्थान पर फोरेंसिक टीम पहुंची और जांच शुरू की। घटना स्थलपर पहुंचे एसएसपी, एसपी सिटी और क्षेत्राधिकारी कैंट के अलावा अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने घटना के संबंध में कहा कि क्षेत्रीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गयी कि उन्होंने कुछ लोगों को पकड़कर रखा गया है जो कॉलोनी के ही एक घर में सेक्स रॉकेट चलाते है। पुलिस की जांच के अनुसार उस घर में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था और पुलिस ने सभी को पकड़ लिया है। प्रभाकर चौधरी ने बताया कि मौके से ऐसे सुबूत मिले है जिनसे लग रहा है कि विदेशी भी यहां आते थे।

बीएचयू के सभागार में पहुंची वुमन रोबोट सोफिया, केक काटकर मनाया जन्मदिन

वाराणसी। वाराणसी के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन के सभागार में टेक्नेक्स कार्यक्रम के दौरान वुमन रोबोट सोफिया को छात्रों से रु-ब-रु कराया गया। बीएचयू के छात्रों ने रोबोट सोफिया से बात की और सवाल भी किया। बीएचयू के सभागार में रोबोट सोफिया में केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। बीएचयू के टेक्नेक्स कार्यक्रम में देश के अलग अलग हिस्से से आईआईटी के छात्र और प्रयोगकर्ताओं ने हिस्सा लिया। रोबोट सोफिया से छात्रों ने जब सवाल किया कि कार्यक्रम में आकर कैसा लगा तो रोबोट सोफिया ने जवाब दिया कि अच्छा महसूस हुआ। इस रोबोट के बारे में कहा जाता है कि इस रोबोट को सऊदी अरब में नागरिकता मिली है।

शिक्षा-जगत

एमबीबीएस का पैटर्न बदला, अब छात्रों को पढ़ाई के साथ ही बनानी होगी लॉग बुक
21

21
डीयू दाखिला: अप्रैल से शुरू करने की तैयारी में डीयू प्रशासन

UP की इस यूनिवर्सिटी में होगी आर्टिकल 370, NPR और CAA की पढ़ाई

नागरिकता संशोधन कानून (NRC) और नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (NPR) पर जागरुकता फैलाने के लिए उत्तर प्रदेश की राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी ने इसे अपने कोर्स में शामिल करने का फैसला किया है और इस कोर्स को लागू भी कर दिया है। यूनिवर्सिटी ने 3 महीने के इस कोर्स को अपनी डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम में भी जगह दे दी है।

यहाँ तक की अनुच्छेद 370, 35 ए और सीएए के सर्टिफिकेट कोर्स को भी राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी ने शुरू किए हैं। इस कोर्स को समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने और जागरुकता लाने के उद्देश्य से यूनिवर्सिटी ने शुरू किया गया है इन सभी कोर्स तीन महीने के होंगे।

अब इन सभी कोर्स के एडमिशन जनवरी के सत्र से चालु कर दिए गए हैं ये तीनों विषय सर्टिफिकेट कोर्स होंगे इसमें इंटर के बाद कोई भी व्यक्ति 500 रुपये फीस जमा कर प्रवेश ले सकता है। अनुच्छेद 370, 35 ए और सीएए पर पूरे देश में मचे सियासी भूचाल के कारण ये तीनों कोर्स को चालु करने का फैसला यूनिवर्सिटी ने किया है।

इस कोर्स का ऑनलाइन प्रवेश शुरू कर दिए गए हैं। आपको बता दें कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर उसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया था। वहीं, एक दूसरे बड़े फैसले के तहत केंद्र सरकार ने नागरिकता कानून में संशोधन किया है। संशोधित कानून केवल हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शरणार्थियों के लिए प्रासंगिक है, जो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत में 31.12.2014 तक धार्मिक उत्पीड़न के आधार पर पलायन कर चुके हैं। यह मुसलमानों सहित किसी भी अन्य विदेशी पर लागू नहीं होता है।

इन पांच आईआईटी को मिला राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के मद्देनजर केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 5 फरवरी को अधिनियम संशोधन 2020 को मंजूरी दे दी। इस बैठक में पांच आईआईटी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने का फैसला किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस प्रस्ताव को मंजुरी दी गयी।

इस बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि देश में 25 आईआईआईटी संस्थान हैं जिनमें से 20 आईआईआईटी संस्थान को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 5 आईआईआईटी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा साल 2017 में प्रदान नहीं किया जा सका था क्योंकि इन संस्थानों में कई पाठ्यक्रम शुरू नहीं हुए थे। अब जब ये कोर्स शुरू हो गए हैं तो उनको राष्ट्रीय महत्व का दर्जा दे दिया गया है।

प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि अगरतला, सूरत, भागलपुर, भोपाल और रायचूर में स्थिति इन पाँचों आईआईटी संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा प्रदान करने का निर्णय किया गया है। अब इन सभी संस्थानों से छात्र और छात्राएं डिग्रियां प्राप्त कर सकेंगे और साथ ही छात्र यहाँ से पीएचडी भी कर सकेंगे और दुनिया में इन संस्थानों की साख बनेगी। आईआईटी में सूचना और प्रौद्योगिकी पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, ऐसे में इन संस्थाओं से छात्रों को तुरंत कैम्पस प्लेसमेंट भी मिल जाता है। इस फैसले के बाद से सभी 25 आईआईटी को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा मिल जायेगा।

एमबीबीएस का पैटर्न बदला, अब छात्रों को पढ़ाई के साथ ही बनानी होगी लॉग बुक

एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्रों की पढ़ाई का पैटर्न बदल गया है।पिछले 21 सालो बाद ये बदलाव किया गया है। एमसीआई ने एमबीबीएस के सिलेबस में जो बदलाव किया है उसे शैक्षणिक वर्ष 2019 से लागू किया गया है। मेडिकल के छात्रों को पहले ही दिन से मरीज देखने की प्रैक्टिस (क्लीनिकल) कराई जाएगी। यानी वर्तमान में जहां इसके लिए मेडिकल छात्रों को ढाई वर्ष का इंतजार करना पड़ता था। अब पहले ही दिन से इसका अनुभव अब छात्रों को मिलेगा। इस नए बदलाव से ऐसे चिकित्सक तैयार किए जाएंगे, जो विशेषज्ञ तो होंगे ही, उन्हें हर विषय की गहन जानकारी होगी। उन्हें संवेदनशील इंसान होने के गुण भी बताए जाएंगे।

बदले हुए पैटर्न के साथ ही मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) ने लॉगबुक भरनी अनिवार्य कर दी है। इससे हर रोज होने वाली गतिविधि की पूरी जानकारी अपडेट होगी। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) ने इस बार एक बड़ा फैसला किया है जिससे की एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे सभी छात्रों की पढ़ाई का पैटर्न बदल गया है। बदले हुए पैटर्न के साथ ही एमसीआई की ओर से जारी किये गए फैसले में अब सभी छात्रों को लॉगबुक भरना अनिवार्य कर दिया है। इस लॉगबुक में छात्रों का पूरा मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने किस दिन कौन सा टॉपिक पढ़ा, उसमें क्या सीखा, उस टॉपिक से जुड़ा क्या प्रैक्टिकल किया? इस पर सब्जेक्ट टीचर ने क्या रिमार्क दिया सब कुछ भरना होगा।

ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब अब मेडिकल के स्टूडेंट्स को रोजाना तैयार करने पड़ेंगे। एमसीआई ने सब्जेक्ट को भी व्यवहारिकता से जोड़ दिया है। इसके तहत अब पढ़ाई का पैटर्न केस स्टडी पर फोकस हो गया है। यानी अगर हार्ट से जुड़ा टॉपिक है तो केस स्टडी देकर छात्रों को समझाया जाएगा। उनसे केस स्टडी के आधार पर ही सवाल भी पूछे जाएंगे। एमसीआई की वेबसाइट पर लॉगबुक का परफॉर्मा देखा जा सकता है।

यह बदलाव हुआ लागू

एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं को थ्योरी के बजाए प्रैक्टिकल आधारित पढ़ाई पर जोर दिया जाएगा। साथ ही छात्रों को स्थानीय भाषाओं पर पकड़ बनाने और मरीजों से बेहतर संवाद करना भी अब कॉलेज में ही सिखाए जाएंगे।

कोर्स में कंटेंट के साथ कोई बदलाव नहीं हुए है. एमसीआई ने कुछ नए विषय मेडिकल के छात्रों के लिए जोड़ दिए हैं। दक्षता आधारित एमबीबीएस की पढ़ाई, प्रैक्टिकल और परीक्षा के पैटर्न को भी बदला है। इस सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई की शुरुआत फाउंडेशन कोर्स से शुरू की जा रही है।

मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने लॉगबुक अनिवार्य कर दी है। इससे न केवल छात्र बल्कि शिक्षकों का भी एक तरह से मूल्यांकन होगा। रोजमर्रा की गतिविधियां इस लॉग बुक में शामिल होंगी।

यह जानकारी प्रो. विजय जुयाल, एग्जाम कंट्रोलर, एचएनबी मेडिकल यूनिवर्सिटी ने दी है।

डीयू दाखिला: अप्रैल से शुरू करने की तैयारी में डीयू प्रशासन

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सत्र 2020-21 के दाखिले की प्रक्रिया शुरू करने के लिए बीते एक महीने में विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया। डीयू प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल से दाखिले की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना बताई जा रही है। इस महीने से दाखिले के लिए डीयू की ऑफिशिअल वेबसाइट पर पंजीकरण की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की जा रही है। डीयू प्रशासन इस वर्ष जल्द ही दाखिले की प्रक्रिया के लिए आवेदन शुरू करना चाहता है।

पिछले वर्ष केंद्र सरकार की तरफ से शिक्षण संस्थानों में दस फीसद आर्थिक आरक्षण लागू किया गया था। जिसे डीयू प्रशासन ने दो चरणों में बांटने का निर्णय लिया था। इसके तहत डीयू में ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए कुल 25 फीसदी सीटों में डीयू के पाठ्यक्रमों में बढ़ोतरी होगी। जिसमें से दस फीसदी सीटों की बढ़ोतरी पिछले ऐकडेमिक सत्र में हुई थी। बाकी 15 फीसदी सीटों की बढ़ोतरी ऐकडेमिक सत्र 2020-21 में होगी।

प्रवेश शाखा की तरफ से की जा रही है दाखिले की तैयारी

जैसा की खबर है की डीयू प्रशासन ने प्रवेश शाखा की अधिसूचना नवंबर में जारी की थी। इससे पहले डीयू की दाखिले की प्रक्रिया की कमान विश्वविद्यालय की दाखिला समिति को मिलती थी। लेकिन अब अलग से दाखिले को देखने के लिए एक ब्रांच का गठन कर दिया गया है। डीयू के शिक्षा विभाग के प्रोफेसर पंकज अरोड़ा को डीयू के प्रवेश शाखा के डीन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ हरनीत गांधी प्रवेश शाखा के डिप्टी डीन का कार्यभार देख रही हैं। साथ ही स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ ओ.पी.शर्मा प्रवेश शाखा के असिस्टेंट रजिस्ट्रार का पद देख रहे हैं। इसके अलावा डीयू प्रशासन की तरफ से प्रवेश शाखा में पांच सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। इनमें डीयू के कैमिस्ट्री विभाग के प्रो सतीश अवस्थीए क्लस्टर इनोवेशन सेंटर की प्रो शोभा, राजधानी कॉलेज की असोसिएट प्रोफेसर डॉ सुमन कुमार, भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ़ अप्लाइड साइंसेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सरोज कुमार शुक्ला और हंसराज कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आनंद सोनकर के नाम शामिल हैं। डीयू प्रशासन की तरफ से तैयारी की जा रही है कि अप्रैल 2020 में पहले प्रवेश परीक्षा आधारित **शेष पेज न0 46 पर...**

रोचक तथ्य

पाकिस्तान से आकर काशी में बसे महादेव

कहते हैं कण कण में शंकर विराजते हैं और बात जब काशी की हो रही हो तो यहां का हर कण महादेव के नाम से ही गूंजता है। आज आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बतायंगे जो है तो हिंदुस्तान के काशी में स्थित महादेव का मंदिर पर दुनियां इसे पाकिस्तानी महादेव के नाम से जानती है। काशी में पाकिस्तानी महादेव का मंदिर शीतला घात पर स्थित है। मान्यता है कि इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग पाकिस्तान से लाया गया है। कहा जाता है कि भारत पाकिस्तान विभाजन के समय एक सिंधी परिवार अपने साथ ये खंडित शिवलिंग लाया था। जब उस परिवार के लोगों ने शिवलिंग के बारे में पंडितों से परामर्श लिया तो पंडितों ने शिवलिंग को गंगा में विसर्जित करने का सुझाव दिया और शिवलिंग को कहीं नीचे रखने से भी मना किया। जब परिवार के सदस्य शिवलिंग को गंगा में विसर्जित करने पहुंचे तो किनारे पर पहुंचते ही उन्हें बेचैनी होने लगी और आराम करने के लिए उन्होंने शिवलिंग नीचे रख दिया। तभी से ये शिवलिंग गंगा किनारे स्थित हो गया और आज ना सिर्फ काशी बल्कि पूरी दुनियां से लोग इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

भारत के 5 रोचक तथ्य जिनके बारे में आप शायद ही जानते होंगे

मेघालय में एक नदी है 'उमंगोट नदी', जिसे भारत की सबसे साफ नदी कहा जाता है। यह नदी मावल्यान्नांग गांव के पास है, जिसे एशिया का सबसे स्वच्छ गांव कहा जाता है। गांव में करीब 300 घर हैं और सभी मिलकर इस नदी की साफ-सफाई करते हैं। सबसे खास बात ये है कि इस नदी में गंदगी फैलाने पर लोगों से 5000 रुपये तक का जुर्माना वसूला जाता है।

नामीबिया में एक ऐसी जगह है, जहां अटलांटिक महासागर यहां के वेस्ट कोस्ट रेगिस्तान से मिलता है। यह दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान है, जो करीब साढ़े पांच करोड़ साल से भी ज्यादा पुराना है। खास बात ये है कि यहां दिखने वाले रेत के टीले पूरी दुनिया में सबसे बड़े हैं।

1. महाराष्ट्र का राजकीय पक्षी हरियल एक ऐसा पक्षी है, जो कभी धरती पर अपना पैर नहीं रखता। इन्हें ऊंचे-ऊंचे पेड़ वाले जंगल पसंद हैं। हरियल पक्षी अक्सर अपना घोंसला पीपल और बरगद के पेड़ पर बनाना पसंद करते हैं। ये सामाजिक प्राणी हैं और अधिकतर झुंड में ही पाए जाते हैं।

दुनियाभर में पीने के पानी की किल्लत कितनी ज्यादा है, ये तो जगजाहिर है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर वो कौन सा देश है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा पीने लायक पानी है? अगर नहीं, तो हम आपको बता दें कि इस देश का नाम है ब्राजील, जहां नवीकरणीय जल संसाधनों की उच्चतम मात्रा है, जो कुल 8,233 घन किलोमीटर है।

आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि नोट कागज के बनते हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि नोट कागज के नहीं बल्कि कपास के बनते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि कपास कागज की तुलना में अधिक मजबूत होते हैं और वो जल्दी फटते नहीं हैं।

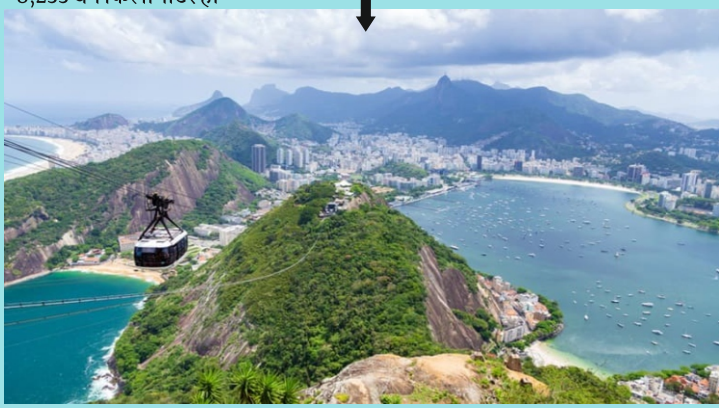

मनोरंजन

मशहूर टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 में सिद्धार्थ शुक्ला की हुई जीत

मशहूर टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 में सिद्धार्थ शुक्ला की हुई जीत मशहूर टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 में सिद्धार्थ शुक्ला जीत हासिल कर चुके हैं, वहीं, आसिम रियाज दूसरे नंबर पर रहें। बिग बॉस फिनाले एपिसोड के दौरान यूं तो ढेर सारी मस्ती हुई, लेकिन शो के दौरान का एक वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, इस वीडियो में बिग बॉस 13 के होस्ट सलमान खान आसिम रियाज की भतीजी को चॉकलेट देते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर सलमान खान का ये वीडियो खूब सुर्खियां बटोर रहा है। आपको बता दें कि, 140 दिनों के सफर को तय करके पांच कंटेस्टेंट बिग बॉस 13 के फिनाले में पहुंचे थे। जिनमें सिद्धार्थ शुक्ला, आसिम रियाज, शहनाज गिल, रश्मि देसाई और आरती सिंह शामिल थे। हालांकि, सबको पछाड़ते हुए सिद्धार्थ शुक्ला ने बाजी मार ली और बिग बॉस 13 की ट्रॉफी को जीत लिया. वहीं, आसिम दूसरे नंबर पर रहें। लेकिन सिद्धार्थ और आसिम के बीच काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

अक्षय कुमार और रोहित शेट्टी में हुआ हाथापाई

हाल ही में अक्षय कुमार का चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आपको बता दे की बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार जल्द ही 'सूर्यवंशी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर रोहित शेट्टी डायरेक्ट कर रहे हैं। वायरल वीडियो में अक्षय कुमार और रोहित शेट्टी एक दूसरे के साथ हाथापाई करते हुए नज़र आ रहे है। दोनों का झगड़ा इतना बढ़ जाता है की इनके बीच पुलिस को आना पड़ाता है, इस वीडियो पर लोगो का खूब रिएक्शन आ रहा है। वीडियो को खुद अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर शेयर किया है। दरअसल इस वीडियो में दोनों ही कलाकार एक दूसरे से बुरी तरह हाथापाई और झड़प करते नज़र आ रहे है, वीडियो को देखकर लग रहा है मानो यह 'सूर्यवंशी' की शूटिंग के दौरान का है। इसे शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने लिखा, "ब्रेकिंग न्यूज- एक ऐसा झगड़ा, जो आपका दिन बना सकता है।" आपको बता दें कि अक्षय कुमार की 'सूर्यवंशी' हिंदी एक्शन फिल्म है। इस फिल्म को करण जौहर और रोहित शेट्टी ने प्रोड्यूस किया है। धर्मा प्रोडक्शन और रोहित शेट्टी पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे, साथ ही एक सीन में इसमें रणवीर सिंह और अजय देवगन की भी झलक देखने को मिलेगी।

24

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा अडवाणी ने ऐसा फोटोशूट कराया

प्रियंका के सपोर्ट में आईं मां मधु चोपड़ा

25

26

मार्च महीने में रिलीज़ होने वाली फिल्मे

शाहरुख खान के बेटे अबराम ने जीता गोल्ड मेडल

बॉलीवुड के किंग खान सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते है, इन दिनों शाहरुख खान फिल्मो से दूर है लेकिन आये दिन वो अपने बच्चो के लिए सुर्खियों में रहते है, हाल ही में उनके बेटे अबराम खान ने ताइक्वांडो में गोल्ड मेडल जीता, जिसकी कई फोटो एक्टर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए शेयर भी की। शाहरुख खान ने अबराम खान की फोटो शेयर करते हुए कहा कि इस मेडल के साथ मुझे लगता है कि मेरे बच्चों के पास मुझसे ज्यादा अवॉर्ड हैं। शाहरुख के इस पोस्ट से लगता है, जैसे वह बेटे द्वारा ताइक्वांडों में गोल्ड मैडल जीतने पर काफी खुश हों। आपको बता दें की अबराम खान की ये फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। शाहरुख खान ने अबराम खान की इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा, "आप सीखते हो, आप लड़ते हो और आप सफल हो जाते हो। फिर आप यह सब दोबारा करते हो। मुझे लगता है कि इस मेडल को मिलाकर मेरे बच्चों के पास मुझसे भी ज्यादा अवॉर्ड हैं। यह काफी अच्छी बात है। अब मुझे और भी ज्यादा सीखने की जरूरत है। गर्व और प्रेरित महसूस कर रहा हूं।" इस फोटो में अबराम खान ताइक्वांडो लड़ते नजर आ रहे हैं। उनकी कमर पर येलो बेल्ट और गले में गोल्ड मेडल भी नजर आ रहा है। फोटो में किंग खान के छोटे बेटे का अंदाज काफी प्यारा लग रहा है। आपको बता दें कि शाहरुख खान के बच्चे अबराम खान, सुहाना खान और आर्यन खान फिल्मों से दूर रहने के बाद भी अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। अपनी फोटो और वीडियो को लेकर किंग खान के बच्चे अक्सर चर्चा में रहते हैं। वहीं, शाहरुख खान की बात करें तो एक्टर आखिरी बार फिल्म जीरो में नजर आए थे।

मलाइका अरोड़ा ने फोटोशूट करवाते हुए दिखाया एटीट्यूड

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मलाइका अरोड़ा की फोटो और वीडियो इंटरनेट पर आते ही छा जाते हैं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने फोटोशूट करवायाजिसमे वें पर्पल कलर के सिमरी आउटफिट में काफी खूबसूरत और स्टनिंग लग रही थीं, लेकिन मलाइका के एक फोटो में उनका एटीट्यूड बिल्कुल ही अलग लग रहा है। फोटोशूट की इन तस्वीरों को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर फैन्स के साथ साझा की है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए मलाइका अरोड़ा ने लिखा, "मेरे हाथ से बात करो, क्योंकि मैं नहीं सुन रही हूं।" सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा का ये पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस के इस फोटो पर लोग खूब कमेंट रहे हैं।

आपको बता दें कि मलाइका अरोड़ा इन दिनों एमटीवी पर आने वाले शो 'सुपरमॉडल ऑफ द ईयर' को जज कर रही हैं। इस शो में भी मलाइका का अंदाज देखने लायक होता है। शो से अलावा मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर से अपने रिलेशनशिप को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। दोनों ने अपनी रिलेशनशिप को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार कर लिया है। लेकिन दोनों ने अपनी शादी को लेकर कोई बात नहीं की है। मलाइका अरोड़ा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि अगर वह और अर्जुन कपूर शादी करते हैं तो वह इस बात को बिल्कुल नहीं छुपायेंगे।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने कराया फोटोशूट

कबीर सिंह और लस्ट स्टोरी से बॉलीवुड में अलग पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस कियारा अडवाणी ने खूब धमाल मचाया है। लेकिन इस बार वह फोटोशूट को लेकर सुरर्खियाँ में बनी हुई है। दरअसल, मशूहर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी ने अपना 2020 का एनुअल कैलेंडर लॉन्च किया है, जिसमें कई बॉलीवुड एक्ट्रेस का अलग ही अंदाज देखने को मिला। डब्बू रतनानी के इस कैलेंडर में कियारा अडवाणी के अंदाज ने भी सबका खूब ध्यान खींचा है. कैलेंडर के लॉन्च होने के अगले दिन ही एक्ट्रेस कियारा ने अपनी यह फोटो इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर की। कियारा अडवाणी का यह पोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, साथ ही लोग इसपर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं। इस फोटो पर लगभग 2 लाख से भी ज्यादा लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कियारा अडवाणी जल्द ही 'लक्ष्मी बम', 'भूल भुलैया 2', 'शेरशाह' और 'इंदू की जवानी' में नजर आने वाली हैं। जहां 'लक्ष्मी बम' में एक्ट्रेस अक्षय कुमार के साथ भूमिका अदा करती दिखाई देंगी, तो वहीं 'भूल भुलैया 2' में कियारा कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। इससे इतर एक्ट्रेस ने बीते साल अपनी दो फिल्मों से भी खूब सुर्खियां बटोरीं, जिसमें 'कबीर सिंह' और 'गुड न्यूज' शामिल है। उनकी दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस धूम मचाते हुए 200 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कमाई की थी।

प्रियंका के सपोर्ट में आईं मां मधु चोपड़ा

आये दिन सोशल मीडिया पर कोई न कोई वीडियो और फोटो वायरल होते रहते है। हाल ही में बॉलीवुड की काफी चर्चित अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा भी सोशल मीडिया पर चर्चा में रही। दरअसल ग्रैमी में अपनी ड्रेस के चलते प्रियंका चोपड़ा काफी ट्रोल हुई। ट्रोल होने के बाद अब प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने इस मुद्दे पर उनका सपोर्ट करते हुए कहा है कि उनकी बेटी एक खूबसूरत शरीर की मालकिन है। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जब निक जोनस के साथ ग्रैमी अवॉर्ड फंक्शन में पहुंचीं तो उनकी तस्वीरें काफी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। वजह थी उनकी वो डीप नेक ड्रेस जिसके चलते उन्हें तारीफें तो मिलीं लेकिन साथ ही साथ उन्हें काफी ज्यादा ट्रोल भी किया गया।

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने कहा, "ट्रोल करने वाले अनजान लोग हैं जो अपने कंप्यूटर्स और बाकी तमाम चीजों के पीछे छिप रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये जो कुछ भी हुआ है इसने उनकी बेटी को और ज्यादा मजबूत बना दिया है। मधु ने कहा, "वह अपनी खुद की शर्तों पर जीती है और वह किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा रही है। ये उसका शरीर है और उसके पास एक खूबसूरत शरीर है।" उन्होंने कहा, "प्रियंका ने इस ड्रेस को पहनने से पहले मुझे इसके सैंपल दिखाए थे और मुझे लगा था कि इसे पहनना थोड़ा रिस्की है। लेकिन ये कुछ सबसे शानदार ड्रेसेज में से एक थी।" ट्रोल करने वाले लोगों के बारे में प्रियंका की मां ने कहा, "उनकी खुद की जिंदगी में खुशियां नहीं हैं और इसीलिए उन्हें लगता है कि वो ऐसी गंदी चीजें करके लोगों का अटेंशन ले सकते हैं. मैं ऐसे लोगों को अटेंशन नहीं देती।" चर्चित डिजाइनर वेन्डेल रॉड्रिक्स ने प्रियंका के आउटफिट के बारे में लिखा, "प्रियंका ने ग्रैमी 2020 में समा बांध दिया। वाकई ये बहुत ही बोल्ड और ब्यूटीफुल है। इसमें नेकलाइन लॉस एंजेलिस से शुरू होकर क्यूबा तक जाती है। बहुत पसंद आया।"

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन आज कल अपने एक फोटो से काफी चर्चा में है ।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इस फोटो में उदास चेहरे के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। इन सबमें जिसने लोगों का सबसे ध्यान खींचा, वह एक्ट्रेस का बेबी बंप था। फोटो में कृति सेनन अलग ही अवतार में नजर आ रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने अंदाज के लिए भी खूब सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'पानीपत' और 'हाउसफुल 4' में अपने किरदार से खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसके अलावा सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी के कैलेंडर शूट में भी कृति सेनन ने भी अपने पोज से सबका खूब ध्यान खींचा। लेकिन इन सबसे इतर हाल ही में एक्ट्रेस की एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। आपको बता दें कि कृति सेनन ने यह अवतार अपनी अगली फिल्म 'मिमी' के लिए अपनाया हुआ है, जिसमें वह एक प्रेग्नेंट महिला के रूप में नजर आने वाली हैं। कृति की यह फिल्म सरोगेसी पर आधारित है. कृति की यह फिल्म साल 2011 में आई नेशनल अवॉर्ड विनर 'माला आई वह्हायचय' की रीमेक है। फिल्म मिमी में कृति के रोल के बारे में बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, "उन्हें इस फिल्म के लिए 15 किलोग्राम वजह बढ़ाना पड़ा, वजन के लिए उन्हें पनीर, मिठाई, घी, जंक फूड, तली हुई चीजें, आलू और कई चीजें खानी पड़ीं। उन्हें अपने खाने की मात्रा बढ़ानी पड़ी, साथ ही कई बार बिना भूख के भी खाना खाना पड़ा।" बता दें कि एक्ट्रेस कृति सेनन ने फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में अपना कदम रखा था। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में दिखाई दिए थे। इसके बाद वह 'दिलवाले', 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुप्पी', 'हाउसफुल 4' और 'पानीपत जैसी कई में दिखाई दे चुकी है।

मार्च महीने में रिलीज़ होने वाली फिल्मे

1. बागी-3

फिल्म की स्टार कास्ट -श्रद्धा कपूर ,टाइगर श्रॉफ ,रितेश देशमुख

फिल्म की रिलीज़ डेट -06\03\2020

फिल्म की कहानी - फिल्म में टाइगर श्रॉफ का नाम राधे है, जो अपने भाई विक्रम (रितेश) से बहुत प्यार करता है। विक्रम पुलिस में, एक सिपाही है, जब भी विक्रम मुसीबत में होता तो राधे को ज़ोर से चिल्ला के बुलाता और राधे उसकी मदद के लिए चला आता है। श्रद्धा, इस फिल्म में राधे यानि टाइगर की प्रेमिका के रूप में और साथ ही साथ काफी एक्शन सीन भी करती नज़र आएँगी।

2. कामयाब

फिल्म की स्टार कास्ट -संजय मिश्रा,दीपक डोबरियाल

फिल्म की रिलीज़ डेट -06\03\2020

फिल्म की कहानी -हार्दिक मेहता द्वारा अभिनीत, कामयाब एक बॉलीवुड ड्रामा है। फिल्म में संजय मिश्रा और दीपल डोबरियाल प्रमुख भूमिकाओं में हैं।फिल्म में एक अनुभवी चरित्र अभिनेता की कहानी है, जो अपने संन्यास से बाहर आने का फैसला करता है और कुछ प्रकार के रिकॉर्ड की तलाश शुरू करता है।

3. इंग्लिश मीडियम

फिल्म की स्टार कास्ट - इरफान खान,करीना कपूर खान,राधीका मदन

फिल्म की रिलीज़ डेट -13\03\2020

फिल्म की कहानी - फिल्म में इरफान खान ने अपनी बीमारी के बारे में लोगों को बताया है। फिल्म अंग्रेजी मीडियम का ट्रेलर लॉन्च में जिंदगी के हर पहलू के बारे में बात की, अपनी बीमारी के बारे में बताया है उन्होंने बताया है कि अंग्रेजी मीडियम एक अच्छी फिल्म बनी है इरफ़ान खान कहते हैं कि वह अपने अच्छे स्वास्थ्य ना होने के कारण फिल्म के प्रमोशन को मनचाहे तरीके से नहीं कर पा रहे हैं इसका उन्हें अफसोस है।

4. बबलू बैचलर

फिल्म की स्टार कास्ट -शरमन जोशी,तेजश्री प्रधान,पूजा चोपड़ा,राजेश शर्मा

फिल्म की रिलीज़ डेट -20\03\2020

फिल्म की कहानी -बबलू बैचलर एक कॉमेडी ड्रामा बॉलीवुड फिल्म है, जिसका निर्देशन अग्निदेव कर रहे है। इस फिल्म में शरमन जोशी और पूजा चोपड़ा मुख्य भमिका में नज़र आएंगे। फिल्म मार्च में बड़े परदे पर रिलीज़ हो रही है।

5. सूर्यवंशी

फिल्म की स्टार कास्ट -अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, अजय देवगन

फिल्म की रिलीज़ डेट -27\03\2020

फिल्म की कहानी -कुमार के चरित्र की घोषणा सिम्बा के अंत की ओर की गई थी जो सोर्यवंशी के चरित्र परिचय के रूप में कार्य करता था। वह आतंकवाद रोधी दस्ते के प्रमुख डीसीपी वीर सोरावंशी की भूमिका निभा रहे हैं।

खेल-जगत

खेलो इंडिया के बजट में इजाफा, जानें कहां चली कटौती की कैंची

भारत सरकार ने अपने बजट का ऐलान करते हुए खेल के लिए 2826.92 करोड़ रुपये देने की बात कही है। इसमें सबसे ज्यादा फायदा खेलो इंडिया को हुआ है, जिसके बजट को बढ़ाकर 291.42 करोड़ कर दिया गया है।

2019-20 में खेल बजट 2216.92 करोड़ हुआ करता था, लेकिन 2020-21 में बजट पेश करने के बाद इसे 2776.92 करोड़ कर दिया गया है। अगर इस बार के खेल बजट को देखा जाए तो कुल 50 करोड़ रुपये की वृद्धि की गयी है। जिसमे खिलाड़ियों को दिए जाने वाले पैसे में हालांकि कटौती की गई है। पहले इसके लिए 111 करोड़ रुपये का बजट हुआ करता था, लेकिन इसे अब 70 करोड़ कर दिया गया।

इसके अलावा राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) में भी 50 करोड़ की कटौती की गयी है जिसे अब 77.15 करोड़ कर दिया गया है।

सबसे ज्यादा कटौती राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के बजट में की गई है। इस बार यहां सरकार सिर्फ 245 करोड़ रुपये देगी, जो पिछली बार के आकड़ों के मुताबिक 50 करोड़ रुपये कम हैं।कटौती की कैंची भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) पर भी चलायी गयी है। पिछली बार के बजट के मुताबिक इसके लिए 615 करोड़ रुपए दिए गए थे, लेकिन इस बार यह आंकड़ा सिर्फ 500 करोड़ है।

SC ने जस्टिस डीके जैन को बनाया BCCI का पहला लोकपाल

भारत की सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस डीके जैन को बीसीसीआई का पहला लोकपाल नियुक्त किया। लोढ़ा कमिटी की शिफारिश के मुताबिक तैयार बीसीसीआई के नए संविधान में इसकी व्यवस्था की गयी है। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट में लोकपाल की नियुक्ति की गयी है। आपको बता दें कि इस मामले को लेकर पिछले महीने हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा लोकपाल पर खोज समिति के लिए देश के पहले लोकपाल की नियुक्ति के लिए नामों के पैनल की सिफारिश करने की समय सीमा फरवरी के अंत तक निर्धारित की थी। खोज समिति की प्रमुख सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना प्रकाश देसाई हैं। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र को निर्देश दिया था कि खोज समिति को आवश्यक सुविधाएं और श्रमबल मुहैया कराया जाए, ताकि वह अपना पूरा काम कर सके। जनवरी में हुई इस मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने पीठ से कहा था कि आधारभूत ढांचे की कमी और श्रमबल जैसी कुछ समस्याएं हैं, जिस कारण से खोजबीन समिति मुद्दे पर विचार-विमर्श नहीं कर सकी है। शीर्ष न्यायालय ने 4 जनवरी को केंद्र सरकार को लोकपाल की नियुक्ति के लिए अभी तक उठाए गए कदमों के बारे में हलफनामा देने के निर्देश दिए थे। न्यायालय ने इस बारे में धीमी प्रगति को लेकर नाखुशी जताई थी। गैरसरकारी संगठन 'कॉमन कॉज' की तरफ से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा था कि सरकार ने वेबसाइट पर खोज समिति के सदस्यों के नाम तक उजागर नहीं किए हैं। यह संगठन लोकपाल के मुद्दे पर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। समिति सभी नामों को चयन समिति के पास भेजेगी जिसमें प्रधानमंत्री, सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता, लोकसभा अध्यक्ष और एक प्रमुख न्यायविद शामिल हैं। आठ सदस्यीय खोज समिति बनी थी केंद्र सरकार ने 27 सितंबर 2018 को न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय खोज समिति का गठन किया था। इस समिति को लोकपाल की नियुक्ति के लिए चयन समिति के पास नामों की अनुशंसा भेजना था।

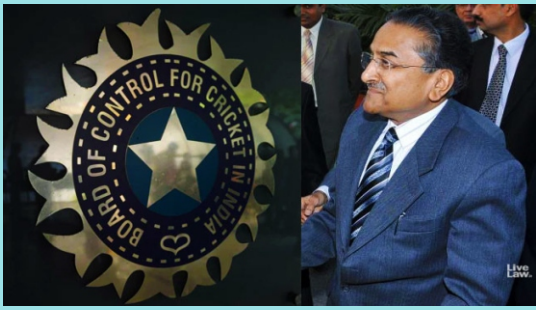

28

2020 आईपीएल-टी20 का पूरा कार्यक्रम...

29

हॉकी पर भी दिखा कोरोना वायरस का असर, भारतीय महिला टीम का चीन दौरा हुआ रद्द

2020 आईपीएल-टी20 का पूरा कार्यक्रम

मैच 01	रविवार	सायंकाल	29-मार्च-2020	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	मुंबई
मैच 02	सोमवार	सायंकाल	30-मार्च-2020	दिल्ली कैपिटल्स	किंग्स इलेवन पंजाब	दिल्ली
मैच 03	मंगलवार	सायंकाल	31-मार्च-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	कोलकाता नाइट राइडर्स	बेंगलुरु
मैच 04	बुधवार	सायंकाल	01-अप्रैल-2020	सनराईजर्स हैदराबाद	मुंबई इंडियंस	हैदराबाद
मैच 05	गुरुवार	सायंकाल	02-अप्रैल-2020	चेन्नई सुपर किंग्स	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई
मैच 06	शुक्रवार	सायंकाल	03-अप्रैल-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली कैपिटल्स	कोलकाता
मैच 07	शनिवार	सायंकाल	04-अप्रैल-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	सनराईजर्स हैदराबाद	मोहाली
मैच 08	रविवार	दोपहर	05-अप्रैल-2020	मुंबई इंडियंस	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	मुंबई
मैच 09	रविवार	सायंकाल	05-अप्रैल-2020	राजस्थान रॉयल्स	दिल्ली कैपिटल्स	जयपुर
मैच 10	सोमवार	सायंकाल	06-अप्रैल-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	चेन्नई सुपर किंग्स	कोलकाता
मैच 11	मंगलवार	सायंकाल	07-अप्रैल-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	सनराईजर्स हैदराबाद	बेंगलुरु
मैच 12	बुधवार	सायंकाल	08-अप्रैल-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	मुंबई इंडियंस	मोहाली
मैच 13	गुरुवार	सायंकाल	09-अप्रैल-2020	राजस्थान रॉयल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	जयपुर
मैच 14	शुक्रवार	सायंकाल	10-अप्रैल-2020	दिल्ली कैपिटल्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	दिल्ली
मैच 15	शनिवार	सायंकाल	11-अप्रैल-2020	चेन्नई सुपर किंग्स	किंग्स इलेवन पंजाब	चेन्नई
मैच 16	रविवार	दोपहर	12-अप्रैल-2020	सनराईजर्स हैदराबाद	राजस्थान रॉयल्स	हैदराबाद
मैच 17	रविवार	सायंकाल	12-अप्रैल-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	मुंबई इंडियंस	कोलकाता
मैच 18	सोमवार	सायंकाल	13-अप्रैल-2020	दिल्ली कैपिटल्स	चेन्नई सुपर किंग्स	दिल्ली
मैच 19	मंगलवार	सायंकाल	14-अप्रैल-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	मोहाली
मैच 20	बुधवार	सायंकाल	15-अप्रैल-2020	मुंबई इंडियंस	राजस्थान रॉयल्स	मुंबई
मैच 21	गुरुवार	सायंकाल	16-अप्रैल-2020	सनराईजर्स हैदराबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स	हैदराबाद
मैच 22	शुक्रवार	सायंकाल	17-अप्रैल-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	चेन्नई सुपर किंग्स	मोहाली
मैच 23	शनिवार	सायंकाल	18-अप्रैल-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	राजस्थान रॉयल्स	बेंगलुरु
मैच 24	रविवार	दोपहर	19-अप्रैल-2020	दिल्ली कैपिटल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली
मैच 25	रविवार	सायंकाल	19-अप्रैल-2020	चेन्नई सुपर किंग्स	सनराईजर्स हैदराबाद	चेन्नई
मैच 26	सोमवार	सायंकाल	20-अप्रैल-2020	मुंबई इंडियंस	किंग्स इलेवन पंजाब	मुंबई
मैच 27	मंगलवार	सायंकाल	21-अप्रैल-2020	राजस्थान रॉयल्स	सनराईजर्स हैदराबाद	जयपुर
मैच 28	बुधवार	सायंकाल	22-अप्रैल-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	दिल्ली कैपिटल्स	बेंगलुरु
मैच 29	गुरुवार	सायंकाल	23-अप्रैल-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	किंग्स इलेवन पंजाब	कोलकाता
मैच 30	शुक्रवार	सायंकाल	24-अप्रैल-2020	चेन्नई सुपर किंग्स	मुंबई इंडियंस	चेन्नई
मैच 31	शनिवार	सायंकाल	25-अप्रैल-2020	राजस्थान रॉयल्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	जयपुर
मैच 32	रविवार	दोपहर	26-अप्रैल-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	कोलकाता नाइट राइडर्स	मोहाली
मैच 33	रविवार	सायंकाल	26-अप्रैल-2020	सनराईजर्स हैदराबाद	दिल्ली कैपिटल्स	हैदराबाद
मैच 34	सोमवार	सायंकाल	27-अप्रैल-20 20	चेन्नई सुपर किंग्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	चेन्नई
मैच 35	मंगलवार	सायंकाल	28-अप्रैल-2020	मुंबई इंडियंस	कोलकाता नाइट राइडर्स	मुंबई
मैच 36	बुधवार	सायंकाल	29-अप्रैल-2020	राजस्थान रॉयल्स	किंग्स इलेवन पंजाब	जयपुर
मैच 37	गुरुवार	सायंकाल	30-अप्रैल-20	सनराईजर्स हैदराबाद	चेन्नई सुपर किंग्स	हैदराबाद
मैच 38	शुक्रवार	सायंकाल	01-मई-2020	मुंबई इंडियंस	दिल्ली कैपिटल्स	मुंबई
मैच 39	शनिवार	सायंकाल	02-मई-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	राजस्थान रॉयल्स	कोलकाता
मैच 40	रविवार	दोपहर	03-मई-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	किंग्स इलेवन पंजाब	बेंगलुरु
मैच 41	रविवार	सायंकाल	03-मई-2020	दिल्ली कैपिटल्स	सनराईजर्स हैदराबाद	दिल्ली
मैच 42	सोमवार	सायंकाल	04-मई-2020	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई सुपर किंग्स	जयपुर
मैच 43	मंगलवार	सायंकाल	05-मई-2020	सनराईजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	हैदराबाद
मैच 44	बुधवार	सायंकाल	06-मई-2020	दिल्ली कैपिटल्स	मुंबई इंडियंस	दिल्ली
मैच 45	गुरुवार	सायंकाल	07-मई-2020	चेन्नई सुपर किंग्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	चेन्नई
मैच 46	शुक्रवार	सायंकाल	08-मई-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	राजस्थान रॉयल्स	मोहाली
मैच 47	शनिवार	सायंकाल	09-मई-2020	मुंबई इंडियंस	सनराईजर्स हैदराबाद	मुंबई
मैच 48	रविवार	दोपहर	10-मई-2020	चेन्नई सुपर किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	चेन्नई
मैच 49	रविवार	सायंकाल	10-मई-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	कोलकाता
मैच 50	सोमवार	सायंकाल	11-मई-2020	राजस्थान रॉयल्स	मुंबई इंडियंस	जयपुर
मैच 51	मंगलवार	सायंकाल	12-मई-2020	सनराईजर्स हैदराबाद	किंग्स इलेवन पंजाब	हैदराबाद
मैच 52	बुधवार	सायंकाल	13-मई-2020	दिल्ली कैपिटल्स	राजस्थान रॉयल्स	दिल्ली
मैच 53	गुरुवार	सायंकाल	14-मई-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	चेन्नई सुपर किंग्स	बेंगलुरु
मैच 54	शुक्रवार	सायंकाल	15-मई-2020	कोलकाता नाइट राइडर्स	सनराईजर्स हैदराबाद	कोलकाता
मैच 55	शनिवार	सायंकाल	16-मई-2020	किंग्स इलेवन पंजाब	दिल्ली कैपिटल्स	मोहाली
मैच 56	रविवार	सायंकाल	17-मई-2020	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	मुंबई इंडियंस	बेंगलुरु

नोट:- आगे आने वाले मैच क्वालीफ़ायर 1, क्वालीफ़ायर 2, एलिमिनेटर और फाइनल का समय तय न होने कारण सूची में नहीं दर्शाया गया है।

हॉकी पर भी दिखा कोरोना वायरस का असर, भारतीय महिला टीम का चीन दौरा हुआ रद्द

चीन के वुहान से फैले कोरोना वायरस के कारण पूरी दुनिया खौफ में है चीन में इस वायरस के शिकार काफी लोग हो गए है। लगभग सभी देश इस वायरस से अछूते नहीं बचे है। तमाम देश अपने नागरिकों से चीन ना जाने की अपील कर रहे और साथ ही चीन जाने वाली सभी फ्लाइट्स भी रोक दी गयी है। जहा कोरोना वायरस का असर सभी देशो पर दिख रहा वही इसका असर खेल पर भी नज़र आने लगा है। चीन में आयोजित होने वाले कई इवेंट्स को कैंसिल किया गया। साथ ही कई देशों ने वहां होने वाले टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेने से भी मना कर दिया है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी चीन का दौरा चीन में फैले कोरोना वायरस की वजह से रद्द कर दिया है। भारतीय महिला हॉकी टीम को 14 से 25 मार्च तक के लिए चीन दौरे पर जाना था, लेकिन कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए महिला हॉकी टीम के इस दौरे को रद्द कर दिया गया। अब हॉकी इंडिया के सामने ओलंपिक की तैयारी के लिए वैकल्पिक दौरे के आयोजन की कठिन चुनौती है। चीन का दौरा रद्द किए जाने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने कहा था कि हमें चीन जाना था, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से जो हालात बने हैं उससे ये दौरा रद्द करना पड़ रहा है। कई दूसरी टीमें भी उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वो प्रो हॉकी लीग खेल रही हैं। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया और हमारे कोच व्यवस्था कर रहे हैं कि हम किसी बड़ी टीम के खिलाफ खेलें, क्योंकि ओलंपिक की तैयारी के लिये बड़ी टीमों से खेलना जरूरी है। आपको बता दें कि चीन में कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से बड़ी तादाद में लोगों की मौत हुई है तो हजारों की संख्या में लोग इसकी चपेट में आ गए हैं। इसके अलावा कई अन्य देशों में रहने वाले लोग भी इस वायरस से संक्रमित हो गए हैं। भारत सरकार ने चीन में रहने वाले अपने नागरिकों को कुछ दिन पहले विशेष विमान से देश वापस बुला लिया था, जिसमें से कुछ लोग संक्रमित पाए गए थे जिन्हें सख्त निगरानी में रखा जा रहा है।

भारत न्यूजीलैंड के बीच बराबरी का रहा मुकाबला

इंडिया न्यूजीलैंड T-20 क्रिकेट सीरीज में जहां इंडिया ने क्लीन स्वीप करते हुए 5-0 से सीरीज अपने नाम किया वहीं दूसरी और वनडे में इंडिया को 3-0 मात खानी पड़ी। भारत ने पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर कीवियों के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में जीत हांसिल की है। भारत इससे पहले न्यूजीलैंड की धरती पर द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज नहीं जीत पाया था। इससे पहले भारत ने न्यूजीलैंड की धरती पर कीवियों के खिलाफ पहली बार द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज साल 2008-2009 में खेली गई थी। दो मैचों की इस टी-20 सीरीज में भारत को 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। इसके बाद भारत को 2018-2019 में खेली गई टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में न्यूजीलैंड ने 2-1 से हराया था। इसी के साथ ही भारत ने 11 साल के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर अपना बदला पूरा कर द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में जीत हांसिल की। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली गयी, जिसकी शुरुआत बुधवार 5 फरवरी को हुई। इस वनडे सीरीज में भारतीय खिलाड़ी जिस अंदाज में खेल रहे थे उससे तो यही लगा था कि यहां भी मेहमान टीम का कुछ ऐसा ही हाल होने वाला है पर नतीजा बिल्कुल ही उल्टा साबित हुआ और टीम इंडिया को वनडे सीरीज में 3-0 से हार झेलनी पड़ गयी। भारतीय टीम की इस हार में काफी कुछ टीम कांबिनेशन पर भी निर्भर रहा, साथ ही टीम के कुछ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन की वजह से भारतीय टीम को 31 साल के बाद विदेशी धरती पर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। माउंट मोंगानुई में हुए टी-20 सीरीज में 5-0 से हारने के बाद वनडे में न्यूजीलैंड ने जबरदस्त वापसी की। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम का सफाया कर दिया। 31 साल में ये पहला मौका है जब द्विपक्षीय वनडे सीरीज में भारतीय टीम को क्लीन स्वीप हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप: सुनील ने ग्रीको रोमन में स्वर्ण जीतकर रचा इतिहास

कुश्ती की ग्रीको रोमन शैली में भारतीय पहलवानों का स्तर विश्व स्तर पर कुछ खास नहीं रहा है लेकिन अब यह बात पुरानी हो गई है। इस शैली में भी भारतीय पहलवान अपने झंडे गाड़ रहे हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण सुनील कुमार हैं। भारत के सुनील कुमार ने दिल्ली में शुरू हुई एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के पहले दिन ग्रीको रोमन के 87 किग्रा भारवर्ग के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। सुनील ग्रीको रोमन में स्वर्ण जीतने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। रोम रैंकिंग सीरीज के रजत पदक विजेता सुनील ने फाइनल में किर्गिस्तान के अजत सलीदिनोचव को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से करारी शिकस्त देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सुनील को 2019 में फाइनल में हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था लेकिन इस बार वह अपने पदक का रंग बदलने में कामयाब रहे। सुनील ने इसके साथ ही ग्रीको रोमन में स्वर्ण पदक जीतने के भारत के 27 साल के सूखे को समाप्त कर दिया है। सुनील से पहले पप्पू यादव ने ग्रीको रोमन के 48 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। सुनील से पहले पप्पू यादव ने ग्रीको रोमन के 48 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। सुनील ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में जापान के ताकाहिरो सुरुदा को 8-2 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। सेमीफाइनल में उन्होंने कजाकिस्तान के अजामत कुस्तुबायेव को 12-8 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। स्वर्ण पदक विजेता सुनील ने कहा, 'भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर मैं बहुत खुश हूं। मैंने इसके लिए अपने ऊपर काफी मेहनत की थी। अब मुझे स्वर्ण पदक जीतकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। पिछले साल फाइनल की तुलना में इस बार मैंने बेहतर प्रदर्शन किया है।' सुनील के ऐतिहासिक स्वर्ण से पहले अर्जुन हालाकुर्की (55 किग्रा) ने कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया के डोंगयेओक को 7-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। हालांकि मेहर सिंह को 130 किग्रा कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

एएफसी ने भारत को 2022 महिला एशिया कप की मेजबानी के अधिकार सौंपे

एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने भारत को 2022 में होने वाले एएफसी महिला एशिया कप की मेजबानी का अधिकार सौंपा है। खेल की महाद्वीपीय संस्था एएफसी की महिला समिति ने महिलाओं के खेल को बढ़ाने की एएफसी की प्रतिबद्धता के अंतर्गत भारत को टूर्नामेंट की मेजबानी देने का फैसला किया है। ऐसा महसूस किया जा रहा है की भारत को इस साल के अंत तक फीफा महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी का अनुभव हो जायेगा जिससे वह तीन बोली लगाने वाले देशों (भारत के अलावा चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान) के तुलना में बेहतर स्थिति में रहेगा। एएफसी ने कहा कि भारत ने जिन स्थलों का प्रस्ताव दिया है, उसमें डी वाई पाटिल स्टेडियम, ट्रांस स्टेडियम एरेना और फार्तोडा स्टेडियम भी शामिल हैं। इन सभी स्टेडियमों को फीफा टूर्नामेंट में इस्तेमाल किया जाएगा। भारत ने 2016 में एएफसी अंडर-16 चैम्पियनशिप और 2017 में फीफा अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी। समिति भी इस बात पर सहमत थी कि देश एएफसी महिला एशिया कप के मानकों को बढ़ाना जारी रखेगा। एएफसी की महिला समिति की अध्यक्ष महफूजा अख्तर कीरोन ने कहा कि यह भारत में टूर्नामेंट को व्यवसायिक रूप से बड़े स्तर पर पहुंचाने का मौका है और देश महिलाओं के खेल को बढ़ावा देने के लिये भी प्रतिबद्ध है, हालांकि तीनों देश मजबूत थे लेकिन भारत उनमे सबसे आगे रहा। आपको बता दें कि समिति ने यह फैसला किया कि एएफसी महिला एशिया कप को आठ से 12 टीमें शामिल होंगी जो चार टीमों के तीन ग्रुप में खेलेंगी जिसमें से आठ टीमें क्वार्टरफाइनल के लिये क्वालीफाई करेंगी।

तय समय पर ही होगा टोक्यो ओलंपिक, आयोजकों ने कोरोना वायरस के खतरे से किया इन्कार

चीन में फैले कोरोना वायरस को लेकर दुनिया में हड़कंप मचा हुआ है। चीन में कोरोना वायरस की वजह से एक तरफ मौतों की संख्या बढ़ रही है तो दूसरी तरफ चीन पर इसका आर्थिक असर भी पड़ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए इसे फैलने से रोकना एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि, चीन इसे रोकने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहा है। कोरोना वायरस को लेकर किसी तरह की दहशत की खबरों का खंडन करते हुए टोक्यो ओलंपिक 2020 के आयोजकों ने कहा कि खेल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशिरो मुटो ने कहा कि आयोजकों ने इस बीमारी से निपटने के लिए कार्यबल बनाया है। मूल रूप से चीन में फैली इस बीमारी से अब तक लगभग 908 लोगों से ज्यादा की मौत हो चुकी है और 37,232 से अधिक संक्रमित पाए गए हैं। मुटो ने कहा, 'ओलंपिक तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे।' उन्होंने कहा, 'हमें संयमित रहने की जरूरत है। दहशत पैदा करने वालों से बचना होगा। ओलंपिक को इससे कोई खतरा नहीं है जितना की इस वायरस से ज्यादा तेजी से डर फैल रहा है।'

पूजा-पाठ

मनुष्य के लिये अपना घर होना किसी सपने से कम नहीं होता।घर चाहे स्वयं का बनाया हो या फिर किराये का। जब हम घर में प्रवेश करते हैं तो नई आशा, नए सपने, नई उमंग स्वाभाविक रूप से मन में हिलोर लेती है। नया घर हमारे लिए मंगलमयी हो, प्रगतिकारक हो, यश, सुख, समृद्धि और सौभाग्य की सौगात दें यही कामना होती है। जब आपके घर में कलेश होने लगे तो समझ जाईये की गृह प्रवेश के समय कोई कमी रह गयी है । इसलिये यदि आप धार्मिक हैं, शुभ-अशुभ में विश्वास रखते हैं तो गृह प्रवेश से पहले पूजा जरुर करवायें। घर के मेन गेट को अच्छे से सजाएं, क्योंकि इसे सिंह द्वार कहा जाता है यानी वास्तु पुरुष का चेहरा। इसे आम की पत्तियों और ताजे फूलों से सजाएं।

आपको शायद ही पता होगा की गृह प्रवेश के भी कई प्रकार होते है? शास्त्रों में गृह प्रवेश तीन प्रकार के बताएं गए हैं, जो कि इस प्रकार है।

1 - अपूर्व गृह प्रवेश - जब पहली बार बनाये गये नये घर में प्रवेश किया जाता है तो वह अपूर्व ग्रह प्रवेश कहलाता है।

2 - सपूर्व गृह प्रवेश - जब किसी कारण से व्यक्ति अपने परिवार सहित प्रवास पर होता है और अपने घर को कुछ समय के लिये खाली छोड़ देते हैं तब दुबारा वहां रहने के लिये जब जाया जाता है तो उसे सपूर्व गृह प्रवेश कहा जाता है।

3 -द्वान्धव गृह प्रवेश - जब किसी परेशानी या किसी आपदा के चलते घर को छोड़ना पड़ता है और कुछ समय पश्चात दोबारा उस घर में प्रवेश किया जाता है तो वह द्वान्धव गृह प्रवेश कहलाता है।

उपरोक्त तीनों ही स्थितियों में गृह प्रवेश पूजा का विधान धर्म ग्रंथों में मिलता है। माना जाता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है।

कैसे करते है गृह प्रवेश की पूजा --

सबसे पहले गृह प्रवेश के लिये दिन, तिथि, वार एवं नक्षत्र को ध्यान मे रखते हुए, गृह प्रवेश की तिथि और समय का निर्धारण किया जाता है। गृह प्रवेश के लिये शुभ मुहूर्त का ध्यान जरुर रखें। इस सब के लिये एक विद्वान ब्राह्मण की सहायता लें, जो विधिपूर्वक मंत्रोच्चारण कर गृह प्रवेश की पूजा को संपूर्ण करता है।

गृह प्रवेश में किन-किन बातो का रखते है ध्यान --माघ, फाल्गुन, वैशाख, ज्येष्ठ माह को गृह प्रवेश के लिये सबसे सही समय बताया गया है। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, पौष गृह प्रवेश के लिए शुभ नहीं माना जाता है। मंगलवार के दिन भी गृह प्रवेश नहीं किया जाता विशेष परिस्थितियों में रविवार और शनिवार के दिन भी गृह प्रवेश वर्जित माना गाया है। सप्ताह के बाकि दिनों में से किसी भी दिन गृह प्रवेश किया जा सकता है। अमावस्या व पूर्णिमा को छोड़कर शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 12, और 13 तिथियां प्रवेश के लिये बहुत शुभ मानी जाती हैं। पूजन सामग्री- कलश, नारियल, शुद्ध जल, कुमकुम, चावल, अबीर, गुलाल, धूपबत्ती, पांच शुभ मांगलिक वस्तुएं, आम या अशोक के पत्ते, पीली हल्दी, गुड़, चावल, दूध आदि। फर्श पर चावल के आटे और शानदार रंगों से रंगोली बनाएं। माना जाता है कि रंगोली बनाने से माता लक्ष्मी आती हैं। आसपास की जगह को शुद्ध करने के लिए हवन किया जाता है।

इन्ही नियमो से करे गृह प्रवेश हमेशा बना रहेगा घर में सुख-समृद्धि --पूजा विधि संपन्न होने के बाद मंगल कलश के साथ सूर्य की रोशनी में नए घर में प्रवेश करना चाहिए। गृह प्रवेश हमेशा शुभ दिन ही करें। देवी-देवताओं की मूर्तियों को घर की पूर्व दिशा की ओर रखना चाहिए। पूजा कराने से पहले घर को अच्छे से साफ करें। इसके लिए आप पानी में नमक घोलकर फर्श धो सकते हैं। यह नकारात्मक शक्तियों को दूर करता है। घर को बंदनवार, रंगोली, फूलों से सजाना चाहिए। मंगल कलश में शुद्ध जल भरकर उसमें आम या अशोक के आठ पत्तों के बीच नारियल रखें। कलश व नारियल पर कुमकुम से स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं। नए घर में प्रवेश के समय घर के स्वामी और स्वामिनी को पांच मांगलिक वस्तुएं नारियल, पीली हल्दी, गुड़, चावल, दूध अपने साथ लेकर नए घर में प्रवेश करना चाहिए। भगवान गणेश की मूर्ति, दक्षिणावर्ती शंख, श्री यंत्र को गृह प्रवेश वाले दिन घर में ले जाना चाहिए। मंगल गीतों के साथ नए घर में प्रवेश करना चाहिए। पुरुष पहले दाहिना पैर तथा स्त्री बांया पैर बढ़ा कर नए घर में प्रवेश करें। इसके बाद भगवान गणेश का ध्यान करते हुए गणेश जी के मंत्रों के साथ घर के ईशान कोण में या फिर पूजा घर में कलश की स्थापना करें। इसके बाद रसोई घर में भी पूजा करनी चाहिये। चूल्हे, पानी रखने के स्थान और स्टोर आदि में धूप, दीपक के साथ कुमकुम, हल्दी, चावल आदि से पूजन कर स्वास्तिक चिन्ह बनाना चाहिये। रसोई में पहले दिन गुड़ व हरी सब्जियां रखना शुभ माना जाता है। चूल्हे को जलाकर सबसे पहले उस पर दूध उफानना चाहिये, मिष्ठान बनाकर उसका भोग लगाना चाहिये। घर में बने भोजन से सबसे पहले भगवान को भोग लगायें। गौ माता, कौआ, कुत्ता, चींटी आदि के निमित्त भोजन निकाल कर रखें। इसके बाद ब्राह्मण को भोजन करायें या फिर किसी गरीब भूखे आदमी को भोजन करा दें। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख, शांति व समृद्धि आती है व हर प्रकार के दोष दूर हो जाते हैं।

पूजा करने के महत्वपूर्ण नियम...

आपका मन अशांत रहता है और आप रोज पूजा करते हैं तो इसका मतलब है कि पूजा-पाठ के समय कहीं कुछ गलत हो रहा है। मन की शांति और जिस भी मनोकामना से पूजा की जा रही है, उसकी पूर्ति के लिए परे विधान से पूजा का किया जाना जरूरी है।

तो चलिए जानते हैं कि पूजा के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और साथ ही किन जरूरी नियमों का पालन करना चाहिए।

कभी भी गणेशजी, शिवजी और भैरवजी को तुलसी नहीं चढ़ानी चाहिए। विष्णु भगवान को चावल, देवी को दूर्वा और सूर्य को बिल्व पत्र (बेल पत्र) कभी नहीं चढ़ाना चाहिए।

शिव जी को बिल्व पत्र, विष्णु को तुलसी, गणेश जी को हरी दूर्वा, सूर्य भगवान को लाल कनेर के फूल और मां दुर्गा को लौंग व लाल फूल बेहद प्रिय होते हैं।

पूजा में दीपक सही जगह रखना चाहिए। घी का दीपक हमेशा दाईं तरफ और तेल का दीपक बाईं ओर रखना चाहिए। जल पात्र, घंटा, धूपदानी जैसी चीजें हमेशा बाईं तरफ रखनी चाहिए।

भगवान को स्नान कराने के बाद चंदन-टीका करते हैं। इस दौरान ध्यान रहे कि देवी-देवताओं को हमेशा अनामिका (हाथ की तीसरी उंगली) से तिलक या सिंदूर लगाएं। गणेश जी, हनुमान जी, दुर्गा माता या किसी भी मूर्ति से सिंदूर लेकर अपने या किसी के माथे पर नहीं लगाना चाहिए।

बिना स्नान किये ही लोग फूल और तुलसी का पत्ता तोड़ लेते है लकिन ऐसा नहीं करना चाहिए, तुलसी का पत्ता बिना स्नान किए नहीं तोड़ना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति बिना नहाए ही तुलसी के पत्तों को तोड़ता है तो पूजन में ऐसे पत्ते भगवान द्वारा स्वीकार नहीं किए जाते हैं और रविवार, द्वादशी, संक्रान्ति तथा संध्या काल में तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ना चाहिए।

आपको शायद ही पता होगा की तुलसी के पत्तों को 11 दिनों तक बासी नहीं माना जाता है। इसकी पत्तियों पर हर रोज जल छिड़क कर पुनः भगवान को अर्पित किया जा सकता है।

सूर्य देव को शंख के जल से कभी भी अर्घ्य नहीं देना चाहिए।

दूर्वा जो एक प्रकार की घास है उसे रविवार को नहीं तोड़नी चाहिए।

आपको कभी भी पूजा के दौरान बुधवार और रविवार को पीपल के वृक्ष में जल अर्पित नहीं करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में या किसी अपवित्र धातु के बर्तन में गंगाजल नहीं रखना चाहिए। अपवित्र धातु जैसे एल्युमिनियम और लोहे से बने बर्तन। गंगाजल तांबे के बर्तन में रखना शुभ रहता है।

कभी भी केतकी का फूल शिवलिंग पर अर्पित नहीं करना चाहिए।

किसी भी पूजा में मनोकामना की सफलता के लिए दक्षिणा अवश्य चढ़ानी चाहिए।

आपको पता ही होगा की मां लक्ष्मी को विशेष रूप से कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस फूल को पांच दिनों तक जल छिड़क कर पुनः मां लक्ष्मी को चढ़ा सकते हैं।

बहुत से लोगो के घरो में सुबह और शाम पूजा के दौरान एक ही दीपक जलाया जाता है लकिन ऐसा नहीं करना चाहिए घर के मंदिर में सुबह एवं शाम को दीपक अवश्य जलाना ही चाहिए, लेकिन एक दीपक घी का और एक दीपक तेल का जलाना चाहिए।

लकिन आप सभी जानते है सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु, ये पंचदेव कहलाते हैं, इसीलिए इनकी पूजा सभी कार्यों में अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। प्रतिदिन पूजन करते समय इन पंचदेव का ध्यान करना चाहिए। इससे लक्ष्मी कृपा और समृद्धि प्राप्त होती है।

पूजा करते समय अक्सर लोग एक दीपक से दूसरा दीपक या धुप जला लेते लेते है लकिन ऐसा नहीं करना चाहिए भगवान की आरती की तैयारी करते समय एक दीपक से दूसरा दीपक, धूप या कपूर कभी नहीं जलना चाहिए।

पूजा करते समय अगर कोई सामग्री कम हो जाये तो लोग परेशान हो जाते है तो आपको बता दे की पूजा में अगर किसी सामग्री की कमी रह जाए तो परेशान न हों या पूजा बीच में न छोड़ें। ऐसे में भगवान को चावल और फूल चढ़ाएं और मन में उस चीज का ध्यान करें।

पूजा करते समय अक्सर लोग एक दीपक से दूसरा दीपक या धुप जला लेते लेते है लकिन ऐसा नहीं करना चाहिए भगवान की आरती की तैयारी करते समय एक दीपक से दूसरा दीपक, धूप या कपूर कभी नहीं जलना चाहिए .

पूजा करते समय अगर कोई सामग्री कम हो जाये तो लोग परेशान हो जाते है तो आपको बता दे की पूजा में अगर किसी सामग्री की कमी रह जाए तो परेशान न हों या पूजा बीच में न छोड़ें. ऐसे में भगवान को चावल और फूल चढ़ाएं और मन में उस चीज का ध्यान करें.

मेष राशि

मार्च के महीने में आपको आपके नौकरी में तरक्की मिल सकती हैं। इस महीने आपको काम के सिलसिले में यात्रा भी करना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार से जुड़े है तो इस महीने आपको आपके व्यापार में लाभ होगा। इस महीने आप धन की बचत भी करेंगे। आपका ये महीना आपके परिवार के साथ खुशनुमा बीतेगा, विद्यार्थियों के लिए ये महीना अच्छा रहेगा, प्रेम जातको के लिए ये महीना प्यारभरा रहेगा, शादी-शुदा जातको के लिए ये महीना बहुत अच्छा रहेगा, आपका आपके जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा, इस महीने आपको अपने सेहत पर ध्यान देना होगा

उपाय- किसी निर्धारित समय में नित्य श्री श्री हनुमानाष्टक का जाप करे।

वृषभ राशि

मार्च महीने में वृषभ राशि के जातको को नौकरी और व्यापर में बहुत चुनौतियों का सामना करना होगा। व्यापार से जुड़े लोगे के लिए ये महीना कुछ खास नहीं है , इस महीने के जातको का आर्थिक व्यय अधिकतम होगा ये महीना आपके परिवार के लिए सामान्य रहेगा लेकिन परिवार के किसी सदस्य का सेहत बिगड़ सकता है, मार्च का महीना वृषभ राशि के छात्र-छात्राओं के लिए सामान्य से अच्छा है। वृषभ राशि के जातको के लिए ये महीना प्रेम संबंधों के लिए भी यह महीना अनुकूल रहेगा, लकिन अचानक ही किसी प्रकार की समस्या आ सकती है। बात करे वैवाहिक जातको की तो ससुराल पक्ष के रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। इस महीने सेहत के नज़रिए से वृषभ राशि के जातकों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

उपाय – किसी निर्धारित समय में नित्य श्री अष्टलक्ष्मी स्तोत्र का जाप करें।

मिथुन राशि

मार्च के महीने में कार्य स्थल पर किसी ख़ास व्यक्ति से आपको समस्या हो सकती है।यदि आप बिज़नेस करते है तो आपका आपके बिज़नेस पार्टनर से मतभेद हो सकता है। इस महीने आपको संभल कर रहना होगा। इस महीने आपको सोच समझ कर खर्च करना होगा क्योकि इस महीने आपका बहुत अधिक पैसा खर्च होने वाला है। आपको अपनी सेहत को लेकर भी पैसा ख़र्च करना पड़ सकता है। अगर घर से दूर रहते हैं, तो मार्च के महीने में परिवार वालों तथा अपने रिश्तेदारों के साथ समय बिता सकते हैं। साथ ही परिवार में किसी नए सदस्य का आगमन भी हो सकता है।यदि आप विधार्थी है तो आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी। प्रेम जातको के लिए ये महीना बहुत अच्छा बीतेगा। आपके बिच चल रहे मतभेद भी इस महीने समाप्त हो जायँगे। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी आपके किसी बात को लेकर नाराज़ हो सकता है। मार्च का महीना मिथुन राशि वालों की सेहत के लिए सामान्य रहने वाला है।

उपाय – किसी निर्धारित समय में नित्य श्री विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का जाप करें।

कर्क राशि

मार्च महीने में आपको आपके नौकरी में तरक्की मिल सकता है यदि आप व्यापारी है तो आपको आपके व्यापार में भी अच्छा खबर मिल सकता है। इस महीने कर्क राशि के जातकों को आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप धन बचत करने में भी कामयाब होंगे।अपने परिवार के साथ भी आप अच्छा समय साँझा करेंगे , साथ ही आपके घर में कोई मंगल कार्य भी हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए ये महीना कभी अच्छा रहने वाला है। मार्च के महीने में आपका प्रेम जीवन सातवें आसमान पर होगा। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी का साथ कदम-कदम पर मिलेगा। इस महीने आपका सेहत भी अच्छा रहेगा, अगर पहले से किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो उसमें भी सुधार देखने को मिलेगा।

उपाय – किसी निर्धारित समय में नित्य श्री चंद्रशेखर अष्टकम का जाप करें।

सिंह राशि

मार्च में चार ग्रहों (सूर्य, मंगल, गुरु और शुक्र) के गोचर से आपकी कुंडली का दसवाँ, छठा और आठवाँ भाव सक्रिय अवस्था में रहेगा। ये महीना आपके करियर के लिए अच्छा है। इस महीने आपके नौकरी और व्यापार में तरक्की कर सकते है। आपके आर्थिक जीवन में भी सुधार होगा और आप इस महीने धन की बचत कर पाने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन की बात करें तो परिवार में किसी तरह का सामाजिक समारोह हो सकता है, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। अगर आप विद्यार्थी है तो मार्च का महीना आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस महीने आपका पढ़ाई में ध्यान लगेगा और आप परीक्षा में भी अच्छा करेंगे। मार्च का महीना प्रेमी जातको के लिए अच्छा है। वहीं वैवाहिक जीवन में ख़ुशियाँ आएँगी। मार्च महीना आपके सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

उपाय – सूर्योदय के समय में नित्य श्री आदित्य हृदय स्तोत्र का जाप करें।

कन्या राशि

मार्च का महीना कन्या राशि के जातकों के करियर के लिए बढ़िया रहेगा। यदि आपको नौकरी मिलने में दिक्कत हो रही है तो इस महीने आपको नौकरी मिल सकता है। यदि आप नौकरी करते है तो आपको तरक्की मिलने के आसार है। पारिवारिक जीवन में माता-पिता की ओर से किसी प्रकार की आर्थिक सहायता मिल सकती है। साथ ही आप अपने परिवार के साथ किसी फैमिली टूर पर जा सकते हैं। मार्च के महीने में कन्या राशि के छात्र-छात्राएँ अपनी पढ़ाई में सकारात्मक बदलाव लाएंगे और पढ़ाई में अधिक व्यस्त रहेंगे। मार्च महीने में आपको अपनी सेहत का ज़्यादा ध्यान रखना होगा। इस महीने प्रेम जीवन और भी मजबूत होगा। वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। सेहत के नज़रिए से देखें तो इस महीने आपको थोड़ा तकलीफो का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में भी किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है।

उपाय – किसी निर्धारित समय में नित्य श्री बुध गायत्री मंत्र का जाप करें।

तुला राशि

मार्च महीने में तुला राशि वालों के करियर क्षेत्र में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते है। वहीं व्यवसायियों को इस दौरान सोच-समझकर चलने की जरुरत है। इस माह खर्चों में भी वृद्धि होने के आसार हैं। पारिवारिक जीवन में आपको थोड़ा तनाव हो सकता है, क्योंकि आपके घर के किसी सदस्य को इस माह कोई बड़ी बीमारी लग सकती है। तुला राशि के छात्रों को भी इस समय अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना होगा। प्रेम जातको को जीवन में बहुत सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाने की जरुरत है। यदि शादीशुदा हैं तो आपका जीवनसाथी आपसे किसी चीज की मांग को इस माह में पूरा कर सकता है। सेहत की बात करें तो आपको आँख, कान और छाती से जुड़ी परेशानियों से जूझना पड़ सकता है। इस माह आपको गाड़ी चलाते समय भी बहुत सावधानी बरतने की जरुरत है।

उपाय- सुबह सूर्योदय के समय श्री शुक्र गायत्री मंत्र का रोजाना 108 बार जाप करें।

वृश्चिक राशि

मार्च महीने में आपको आपके कार्यक्षेत्र में स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। इस राशि के कारोबारियों के लिए भी यह माह फायदेमंद रहेगा। यदि आपके आर्थिक पक्ष की बात करें तो इस माह आपको धन से जुड़ी ज्यादा समस्याएं नहीं आएंगी। वृश्चिक राशि वालों का पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा।मार्च महीने के जातक अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। इस राशि के छात्रों की रुचि अपने पाठ्यक्रम के विषयों से ज्यादा किसी ओर विषय में बढ़ सकती है। प्रेमी जातकों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा। आप विवाह के बंधन में बंधने का फैसला कर सकते हैं। कुछ जातक जीवनसाथी के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं।

उपाय- नियमित रुप से सूर्योदय के समय श्री मंगल गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करें।

धनु राशि

धनु राशि वालों का करियर मार्च माह में सही रहेगा, बस अपने काम में किसी भी तरह की जल्दबाजी न दिखाएं। साझेदारी में कारोबार करने वाले जातकों को थोड़ा संभलकर चलने की सलाह दी जाती है। इस माह धनु राशि वालों का आर्थिक जीवन सामान्य रहने की उम्मीद है। इस माह दवाइयों पर भी आपका ख़र्चा होने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में आपको सामान्य फल मिलेंगे। लेकिन पिता और आपके बीच किसी बात को लेकर बहस हो सकती है। धनु राशि के विद्यार्थियों के लिए मार्च का महीना अच्छा रहेगा। आपको कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। धनु राशि के जातकों को इस माह प्रेम और विवाह दोनों ही मोर्चों पर संभलकर चलना होगा क्योंकि ग्रह-नक्षत्रों की चाल बता रही है कि रिश्ते में अलगाव की स्थिति बन सकती है। इस माह स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा। आपको कंधों और बाजुओं से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है।

उपाय- प्रतिदिन सूर्योदय के समय श्री गुरु गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करें।

मकर राशि

मकर राशि वालों को इस माह अपने कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियों से सामना करना पड़ सकता है। वहीं आर्थिक जीवन भी इस महीने अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में बच्चे मार्च के महीने को आपके लिए यादगार बना सकते हैं। अगर आपकी शादी हाल ही में हुई है, तो यह महीना फैमिली प्लानिंग करने के लिए बहुत अच्छा है। मकर राशि के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। प्रेमी जातकों के बीच रिश्ते सुधरेंगे। साथ ही कुछ जातक अपने प्रेमी या जीवनसाथी के साथ किसी रोमांटिक जगह घूमने जा सकते हैं। आपके स्वास्थ्य जीवन की बात की जाए तो इस माह आपको छोटी आंत से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है,

उपाय- प्रतिदिन सूर्योदय के समय उठकर श्री शनि गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करें।

कुम्भ राशि

कुम्भ राशि के नौकरी पेशा वाले लोग काम की वजह से बहुत व्यस्त रह सकते हैं। यदि आप व्यपार करते है , तो इस माह आपको किसी पुराने निवेश से लाभ होने की संभावना है। इस महीने आपको अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाने की कोशिश करनी चाहिए। पारिवारिक जीवन के लिए इस महीने का अंतिम हफ्ता बहुत मजेदार रहने वाला है, आप किसी रिश्तेदार की शादी में शिरकत कर सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर इस माह बहुत संजीदा रहेंगे। प्रेमी जातको को इस महीने थोड़ा संभल कर चलना होगा, क्योकि इस महीने आपके रिश्ते में दूरिया आ सकती है। वहीं शादीशुदा जातक अपने जोड़ीदार के साथ महीने के अंत में रोमांटिक पल बिता सकते हैं। कुंभ राशि वालों को अपनी सेहत के प्रति इस महीने ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत है।

उपाय- प्रतिदिन सूर्योदय के समय श्री शनि बीज मंत्र का 1008 बार जाप करें।

मीन राशि

मीन राशि वालों को मार्च महीने में अपने कार्यक्षेत्र में मनचाहे परिणाम मिल सकते हैं। वहीं कुछ जातकों को कार्यक्षेत्र में पदोन्नति हो सकती है, और स्थान परिवर्तन भी किया जा सकता है। आपको अपके कारोबार में अचानक उछाल देखने को मिल सकता है। इस माह पारिवारिक जीवन में भी आपको सुकून की प्राप्ति होगी।इस महीने आपका आपके पिता के साथ चल रहे तनाव भी दूर हो जायँगे। इस महीने आपका रिश्तेदारों से मिलना भी हो सकता है। इस राशि के छात्रों को किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से बचने की सलाह दी जाती है। यह महीना प्रेमी जातकों और विवाहित लोगों के लिए बहुत अच्छा नहीं है। सेहत की बात करें तो इस महीने आपको कुछ समस्या हो सकती है। आपको इस माह ज्यादा झुकने या ज्यादा वजन उठाने वाले कार्य को करने से बचना चाहिए।

उपाय- प्रतिदिन सूर्योदय के समय श्री गुरु बीज मंत्र का जाप 1008 बार करें।

सोशल-मीडिया

यहां पर सच होती है कबीर दास की उल्टी वाणी

सोशल मीडिया पर एक मेंढक की फोटो काफी वायरल हो रही है, दरअसल यह कोई आम मेंढक नहीं है बल्कि सांप खाने वाला मेढक है। आपको सुन कर अजीब लग रहा होगा लकिन यह सच्ची घटना है, मेंढक की सांप को खाते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। दरअसल, यह तस्वीर इसलिए वायरल हो रही है क्योंकि इसमें एक हरे रंग का मेंढक काफी ज्यादा जहरीले सांप को खाते हुए नजर आ रहा है। यह सांप ऑस्ट्रेलिया के सबसे विषैले सांपो में से एक है। मंगलवार को एक महिला ने क्यून्सलैंड में रहने वाले जैमी चापेल को फोन कर अपने घर के बैकयार्ड में कोस्टल ताइपन सांप के होने की जानकारी दी थी और उसे पकड़ने के लिए कहा था। बता दें, जैमी चापेल स्नेक टेक अवे के मालिक हैं और सांपों को पकड़ने का काम करते हैं। कोस्टल ताइपन, सबसे जहरीले सांपो की प्रजाती में शामिल है और यह तीसरा सबसे ज्यादा जहरीला सांप है। जब भी कोस्टल ताइपन पर कोई हमला करता है तो वो अपना अत्यधिक जहरीला विष इंसान के मांस में डाल देता है। कोस्टल ताइपन का विष तंत्रिका तंत्र और रक्त के थक्के की क्षमता को प्रभावित करता है, जिससे सिरदर्द, लकवा, आंतरिक रक्तस्राव और गुर्दे को नुकसान पहुंच सकता है। जैमी चापेल ने डेली मेल को बताया कि जब वह महिला के घर आ रहा था और रास्ते में था तभी महिला ने उसे फोन किया और कहा कि मेंढक ने सांप को खा लिया है। जैमी ने कहा, ''जब तक मैं वहां पहुंचा तब तक मेंढक ने काफी हद तक सांप को खा लिया था और पूरी तरह से निगल लिया था।'' मेंढक के सांप को खाते हुए दो तस्वीरों को जैमी ने फेसबुक पर शेयर किया था, जिसके बाद यह पोस्ट वायरल हो गई और इसपर कई सारे लोगों ने कमेंट्स किए हैं। वहीं कई लोगों ने इस पोस्ट को शेयर भी किया है। जैमी ने बताया कि वह सांप को बचाना चाहते थे लेकिन वह जब तक महिला के घर पहुंचे तब तक काफी देर हो गई थी। ''मेंढक ने सांप को खा लिया था और वह उसे बिलकुल छोड़ने को तैयार नहीं था।'' हालांकि, भले ही वह सांप को नहीं बचा पाया लेकिन फिर भी उसका काम पूरा नहीं हुआ था क्योंकि वह डरा हुआ था कि कहीं इस सांप को खाने के कारण मेंढक को कुछ हो न जाए। जैमी ने कहा, ''मुझे यह नहीं पता था कि वो मेंढक, सांप को खाने के बाद जिंदा रहेगा या नहीं इसलिए मैं उसे अपने साथ ले आया।'' हालांकि, सांप को खाने के बाद भी मेंढक एक दम ठीक है और उसे कुछ नहीं हुआ। जैमी ने इसकी जानकारी अपने द्वारा की गई पोस्ट के एक कमेंट में दी। इसके साथ ही जैमी ने बताया कि वह जल्द ही मेंढक को छोड़ देंगे।

सांपों से भरे पानी में फसे शख्स को बचाने के लिए जानवर ने बढ़ाया मदद का हाथ

हम अक्सर सुनते हैं कि जानवर इंसान से ज्यादा समझदार होते है, तो आज हम आपको एक ऐसा ही वाक्या बताते है जिसे पढ़कर आपको बहुत आश्चर्य होगा, दरअसल इन दिनों इंटरनेट पर एक तस्वीर भी काफी वायरल हो रही है, वायरल हो रही इस तस्वीर में एक ओरांगुटान नजर आ रहा है, जो सांपों से भरे पानी में फंसे शख्स की मदद करते हुए नजर आ रहा है। दिल को छू लेने वाली इस तस्वीर को फोटोग्राफर अनिल प्रभाकर ने क्लिक किया है, जो अपने दोस्तों के साथ इस जंगल में सफारी के लिए गए हुए थे। इस फोटो में दिखने वाला ओरांगुटान बोर्नियो में एक संरक्षित वन क्षेत्र में रहता है, जो सांप से संक्रमित नदी के बीच में फंसे आदमी की मदद करने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए नजर आ रहा है। सीएनएन से बात करते हुए अनिल प्रभाकर ने कहा, ''वन के उस क्षेत्र में सांपों के होने की रिपोर्ट मिली थी, इसलिए वार्डन वहां से सांपों को हटाने के लिए आया था। इसके बाद मैंने देखा कि एक ओरांगुटान उसके बहुत नजदीक आ गया और उसकी मदद करने के लिए हाथ आगे बढ़ाने लगा और इस पल को मैंने अपने कैमरे में कैद कर लिया। यह वाकई काफी भावुक कर देने वाला पल था।'आगे प्रभाकर ने कहा कि यह पल 3 से 4 मिनट का था। उसने आगे कहा, मैं बहुत खुश हूं कि यह वाक्या मेरे सामने हुआ। गौरतलब है कि, बोर्निया ओरांगुटान सर्वाइवल फाउंडेशन इंडोनेशिया की एक एनजीओ है जिसकी स्थापना 1991 में हुई थी। इस फाउंडेशन में 400 लोग काम करते हैं और यहां 650 से अधिक ओरांगुटान का ध्यान रखते हैं।

विविध

पाकिस्तान में सड़क पर उतरे लोग, चीन में पढ़ रहे छात्रों पर पाकिस्तान की अनदेखी...

चीन में पढ़ाई कर रहे पाकिस्तान के छात्रों को वापस लाने के लिए पाकिस्तानी सरकार चुप्पी साधे बैठा है। छात्रों के परिजन सरकार के इस रवैए पर नाराजगी जाहिर करते हुए सड़कों पर उतर आए। दरअसल

कोरोना वायरस से चीन में लगभग 1800 लोगों की मौत हो चुकी है और यह खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है, जो चीन से निकलकर अन्य देशों में भी पहुंच रहा है। ताजा मामला ताइवान से उभर कर आया जहां कोरोना वायरस से एक की मौत की पुष्टि हुई है। कोरोना वायरस के खतरे से परेशान चीन में रह रहे छात्रों के परिजनों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया, ताकि उनके बच्चों को वापस लाया जा सके। आपको जानकारी के लिए बता दें कि चीन के हुबेई में पाकिस्तान के करीब 1000 से ज्यादा छात्र रह रहे हैं और महामारी की तरह फैले इस कोरोना वायरस के भय से उनके परिजनों ने सरकार से छात्रों को वापस लाने के लिए मांग की है। मगर पाकिस्तान सरकार इस मुद्दे पर जिद पर अड़ा हुआ है और पाकिस्तान ने छात्रों को वापस लाने के लिए अभी तक कोई भी इंतजाम नहीं किया है। कोरोना वायरस के डर से परेशान छात्रों के परिजनों का कहना है कि जब भारत, बांग्लादेश, नेपाल जैसे तमाम पड़ोसी देश अपने नागरिकों और छात्रों को वापस ला रहे हैं तो पाकिस्तान सरकार ऐसा क्यों कर रही है। इस मामले पर पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री ज़फ़र मिर्जा ने छात्रों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिलाया है कि सरकार लगातार चीनी अधिकारियों के संपर्क में है और छात्रों की पल-पल की खबर ले रही है। ज़फ़र मिर्जा ने जानकारी दी कि चीन में रह रहे पाकिस्तान के 6 नागरिकों में कोरोना वायरस के लक्षण पाये गये थे लेकिन अब वह पूरी तरीके से स्वस्थ है। पाकिस्तान ने पहले ही कह दिया है कि इस मुसीबत की घडी में चीन के साथ खड़ा है और चीन अपने आपको अलग न समझे इसलिए वो अपने लोगों को चीन से वापस नहीं ला रहा है।

कोरोना वायरस का इलाज करने वाले डॉक्टर्स सुरक्षित नहीं, अस्पताल के निदेशक की हुयी मौत

चीन में फैली जानलेवा बीमारी कोरोना वायरस का प्रभाव मरीजों के साथ साथ अब डॉक्टरों पर भी दिखने लगा है। कोरोना वायरस का इलाज करने वाले चिकित्सा कर्मी भी इसकी जद में आ गए है। कोरोना वायरस से चीन के वुहान स्थित वुचांग अस्पताल के निदेशक लिउ झिमिंग की मौत हो गयी। लिउ झिमिंग की मौत ने ये साबित कर दिया है कि कोरोना वायरस कितना खतरनाक साबित हो रहा है। कोरोना वायरस से निदेशक स्तर पर मरने वाले लिउ झिमिंग पहले व्यक्ति है। दरअसल चीन में कोरोना वायरस का इलाज कर रहे कई चिकित्सा कर्मी इसकी जद में आ चुके है। चीन में अब तक कुल 1716 चिकित्सा कर्मी कोरोना वायरस की गिरफ्त में आ चुके है और ये आंकड़ा बेहद ही हैरान कर देने वाला है। 18 फरवरी को चीनी मिडिया सीसीटीवी ने इसकी जानकारी दी। निदेशक की मौत की जानकारी चीनी मीडिया के अलावा ब्लागरों ने भी साझा की है। चीन मिडिया के अनुसार चिकित्सकों का कहना है कि वुहान में डॉक्टरों के लिए पर्याप्त मात्रा में मास्क और बॉडीसूट की व्यवस्था नहीं है और कुछ चिकित्सा कर्मियों में श्वांस संबंधी समस्या देखी जा रही है मगर कर्मियों की कमी के कारण उन्हें लगातार काम करना पड़ रहा है।

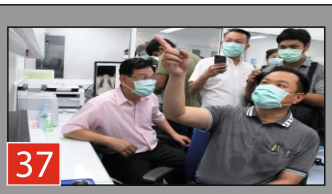

37

थाइलैंड ने किया कोरोना वायरस के इलाज का दावा, सिर्फ 48 घंटे दूर होगी बीमारी

37

पाकिस्तान में दाह संस्कार बना मुसीबत की वजह, जलाने की बजाय हिन्दू दफना रहे है शव

38

इस देश के प्रधानमंत्री को आधी रात में दी गयी फांसी

38

जलवायु को बचाने के लिए इस शख्स ने दिए 71 हजार 419 करोड़

थाइलैंड ने किया कोरोना वायरस के इलाज का दावा, सिर्फ 48 घंटे में दूर होगी बीमारी

महामारी की तर्ज पर फ़ैल रहे कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को डर के साये में जीने को मजबूर कर दिया है। चीन में रह रहे भारत सहित कई देशों के लोग अब अपने वतन वापसी की कगार पर खड़े है। वहीं थाइलैंड के डॉक्टरों का दावा है कि उन्होंने कोरोना वायरस जैसी खतरनाक बीमारी का इलाज ढूंढ लिया है और मात्र 48 घंटे में मरीज के ठीक होने की बात कही है। मिडिया सूत्रों के अनुसार थाइलैंड में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में डॉक्टरों ने 70 वर्ष की एक महिला को कोरोना वायरस में मुक्ति दिलाने का दावा किया है। डॉक्टरों का कहना था कि उन्होंने कॉकटेल से कोरोना वायरस का इलाज बनाया है।

थाइलैंड के डॉक्टर क्रिएंगसक ने कहा कि जब उन्होंने कोरोना वायरस से पीड़ित महिला को एंटीडोट दिया और 12 घंटे के बाद ही महिला बेड से खड़ी हो गयी। 48 घंटे बाद जब महिला का परीक्षण किया गया तो उसमे कोरोना वायरस के लक्षण नहीं मिले।

पाकिस्तान में दाह संस्कार बना मुसीबत की वजह, जलाने की बजाय हिन्दू दफना रहे है शव

पाकिस्तान में हिन्दुओं के लिए शव का दाह संस्कार करना अब मुसीबत की वजह बन गया है। पाकिस्तान में अब दाह संस्कार करना मंहगा हो गया है जिससे वहां रह रहे हिन्दुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच चलने वाली समझौता एक्सप्रेस और सद्भावना बस सेवा बंद हो गयी है। जिससे पाकिस्तान के हिन्दू अपने मृतकों की अस्थियां भारत की गंगा नदी में प्रवाहित नहीं कर पा रहे है और हजारों हिन्दुओं की अस्थियां कराची सहित पूरे सिंध के मंदिरों में रखी हुयी है। मिडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में हिन्दुओं को दाह संस्कार के लिए अब 20 से 25 हजार रूपये खर्च करने पड़ रहे है। पाकिस्तान में बसे हिन्दू अपने मृतकों का दाह संस्कार करने के बजाय अब उन्हें दफना रहे है।

पाकिस्तान वित्तीय कार्यवायी कार्यबल की ग्रे लिस्ट में ही रहेगा

आतंकवाद की जन्मस्थली कहे जाने वाले पाकिस्तान को वित्तीय कार्यवायी कार्यबल की ग्रे लिस्ट में ही रखा गया है। पेरिस में चल रही एफएटीएफ की बैठक में सऊदी अरब ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखने की बात कही जिस पर चीन, अमेरिका, भारत सहित अन्य यूरोपीय देशों ने सऊदी अरब का का समर्थन किया।

पेरिस में हुए इस बैठक में सभी देशों ने पाकिस्तान को आतंकियों को वित्तीय सहायता देने और मनी लांड्रिग के मामले में सख्त कार्यवायी करने की बात कही। सभी देशों ने पाकिस्तान को आतंकी संगठन के नेताओं को सजा के साथ-साथ उन्हें अभियोजन के दायरे में लेने की बात कही।

पेरिस में हुए बैठक में तुर्की ही एक ऐसा देश था जिसने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर रखने की वकालत की। पाकिस्तान के सहयोगी कहे जाने वाले देश चीन का भी इस मामले में पाकिस्तान का साथ नहीं देना चौकाने वाला था। बैठक में कहा गया कि यदि पाकिस्तान जून तक पर्याप्त कदम नहीं उठता तो उसको इसका अंजाम भुगता पड़ेगा।

एफएटीएफ की अगली बैठक जून 2020 में होनी है जिसमे पाकिस्तान में आतंकी फंडिग, मनी लांड्रिग सहित आतंकी सरगनाओं पर कार्यवायी पर विशेष समीक्षा की जाएगी। पाकिस्तान अगर इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेता है तो उसे ग्रे सूची से काली सूची में डाल दिया जायेगा।

इस देश के प्रधानमंत्री को आधी रात में दी गयी फांसी

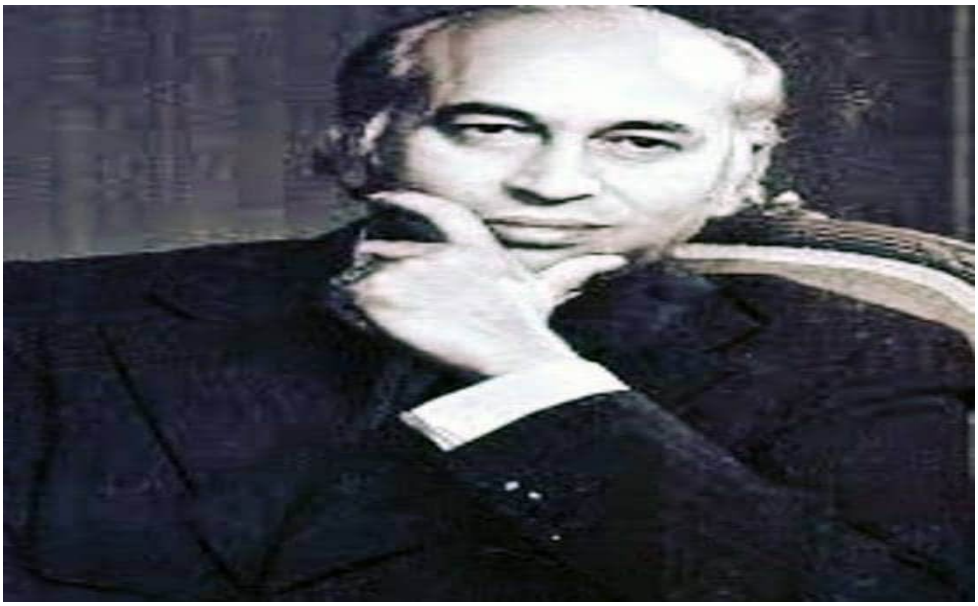

क्या आपने कभी सुना है कि किसी देश के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को फांसी की सजा दी गई हो। आज हम आपको बताने जा रहे हैं एक ऐसे ही प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रह चुके व्यक्ति के बारे में जिसे उसके देश की कोर्ट ने ही फांसी की सजा सुना दी और उस व्यक्ति को आधी रात में फांसी दे दी गई।

हम बात कर रहे हैं पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रह चुके जुल्फिकार अली भुट्टो की, जिन्हें पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी। आपको जानकारी के लिए बता दें जुल्फिकार अली भुट्टो दिसंबर 1971 से लेकर अगस्त 1973 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे। अगस्त 1973 से जुलाई 1977 तक उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद संभाला था।

जुल्फिकार अली भुट्टो पाकिस्तान के कद्दावर नेताओं में से एक थे मगर पाकिस्तान के तात्कालिक सेना प्रमुख जनरल मुहम्मद जिया-उल-हक ने तख्ता पलट किया और 3 सितंबर को गद्दार करार करते हुए जुल्फिकार अली भुट्टो को गिरफ्तार कर लिया गया। **शेष पेज न0 46 पर...**

जलवायु को बचाने के लिए इस शख्स ने दिए 71 हजार 419 करोड़

आईटी कंपनी अमेज़न के कार्यकारी अधिकारी और दुनिया के सबसे अमीर आदमी जेफ बेजोस ने पृथ्वी को बचाने के लिए 71,419 करोडं रुपए यानी 10 बिलियन डॉलर दान करने का ऐलान किया हैं। इस धरती को प्रदूषण से बचाने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए अमेजॉन के सीईओ ने यह कारनामा किया है।

जैफ बेजोस की कुल संपत्ति करीब 9 लाख, 28 हजार 444 करोड़ यानि करीब 130 बिलियन डॉलर है और उनके द्वारा यह दान की गई राशि उनकी संपत्ति का लगभग 7.7% है। सोमवार को जेफ़ बेजोस ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जलवायु में परिवर्तन होना पृथ्वी के लिए बहुत बड़ा खतरा है और इस समस्या के समाधान के लिए मैं काफी खुश हूं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह फंड जलवायु वैज्ञानिकों, सामाजिक संगठनों और गैर सरकारी संगठनों को को दी जाएगी। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि हम पृथ्वी को बचा सकते हैं। छोटी बड़ी कंपनियां, वैश्विक संगठन और व्यक्तिगत स्तर पर लोग एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजात पा सकते हैं।

उन्होंने अपनी पोस्ट के माध्यम से बताया कि उनको यह फंड देने के लिए अमेजन के कंपनी के अधिकारियों ने जलवायु परिवर्तन के प्रति पहल करने का दबाव बनाया था। जिसके लिए जनवरी महीने में अमेजन के अधिकारियों ने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। इस अभियान में यह कहा गया कि साल 2023 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य पर लाया जाना चाहिए जिसने। जेफ़ बेजोस ने साल 2040 तक डिलेवरी करने के लिए 1 लाख इलेक्ट्रिक वाहन मुहैया कराने का लक्ष्य रखा है।

इसके पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अमेज़न जंगलो में लगी आग पर करीब 4.9 करोड रुपए देने का ऐलान किया था और हैसियत के हिसाब से इतनी कम रकम देने पर उनकी निंदा भी की गई थी।

स्वास्थ्य

जानिए कोरोना से संक्रमित होने पर शरीर के अंगों का क्या होता है?

जानिए कोरोना से संक्रमित होने पर शरीर के अंगों का क्या होता है?

चीन के वुहान से फैले कोरोना वायरस ने 26 से ज्यादा देशों में दहशत फैलाई है। हर रोज लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ रहे हैं। वायरस से संक्रमित लोगों और मौतों में लगातार इजाफा हो रहा है। वायरस की गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनियाभर में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। एशिया, अफ्रीका और यूरोप समेत मध्य पूर्व में कोरोना का संक्रमण जारी है। इस वायरस से मरने वालों की संख्या 1,886 हो गई है। सबसे ज्यादा मौतें चीन में हुई हैं। चीन के बाहर कोविड-19 (Covid-19) वायरस से पांच लोगों की मौत हुई है। वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 73,325 से ज्यादा हो गई है। आइए जानते हैं कोरोना वायरस शरीर के अंगों का क्या हाल करता है...

फेफड़े को कैसे पहुंचाता है नुकसान?

COVID-19 वायरस से संक्रमित मरीजों में ज्यादातर के फेफड़े खराब हो जाते हैं। फ्लू की ही तरह कोरोना भी सांस से संबंधित बीमारी है। यह वायरस तब फैलता है जब इससे संक्रमित मरीज खांसता या फिर छींकता है। किसी के नजदीकी संपर्क में आने से यह वायरस दूसरे व्यक्ति को प्रभावित करता है। इसके लक्षण भी फ्लू के लक्षण की ही तरह होते हैं। इसमें बुखार आता है और सांस लेने में दिक्कत के साथ ही सिर में भारीपन होने लगता है। इसी तरह के लक्षण निमोनिया में भी होते हैं।

कोरोना वायरस संक्रमित व्यक्ति के फेफड़ों को तीन चरणों में चपेट में लेता है।

वायरल रिप्लीकेशन (वायरल के रूप में)

इम्यून हाइपर-रिएक्टिविटी (प्रतिरक्षा की उच्चता)

पल्मनेरी डिस्ट्रैक्शन (फेफड़ों का विनाश)

सभी मरीज इन तीनों चरणों से नहीं गुजरते हैं। 25 फीसदी सार्स मरीजों के शरीर में ही ऑक्सीजन की कमी होती है और सांस रुक जाती है। 82 फीसदी कोविड-19 से संक्रमित मरीज गंभीर स्थिति में पहुंचते हैं, एकदम से उनकी मौत नहीं होती है।

जिस तरह निमोनिया दोनों फेफड़ों को संक्रमित करता है उसी तरह कोरोना भी दोनों फेफड़ों को अपने चपेट में लेता है और सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। फेफड़ों के साथ ही हमारे शरीर की प्रतिरक्षा कोशिकाएं मरने लगती हैं, और शरीर के स्वस्थ ऊतकों का नाश होने लगता है। कोरोना में इबोला और फ्लू से ज्यादा तेज गति से फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और इनकी क्षति हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, कोरोना मरीज के फेफड़ों में छेद कर देता है। ज्यादातर मौतें फेफड़ों में ऑक्सीजन के नहीं पहुंचने और सांस रुकने से होती है।

पेट को कैसे नुकसान पहुंचाता है कोरोना?

दो कोरोना वायरस, MERS-CoV और SARS-CoV, अन्य कोरोना वायरस की तुलना में मनुष्यों में बहुत अधिक गंभीर श्वसन संक्रमण का कारण बनते हैं। 2012 में, कोरोनावायरस MERS-CoV की पहचान मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम (MERS) के कारण के रूप में की गई थी। 2002 के उत्तरार्ध में, SARS-CoV की पहचान गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम (SARS) के प्रकोप के कारण के रूप में की गई थी।

सिवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (SARS) और मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (MERS) आउटब्रेक के दौरान ज्यादातर मरीजों को डायरिया (दस्त) की शिकायत देखी गई थी। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि नए कोरोना वायरस में जठरांत्र संबंधी लक्षण कितना महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। कोरोना के नए मामलों में डायरिया और पेट में दर्द के मामले कम ही देखने को मिल रहे हैं। कोरोना वायरस जब किसी व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है तो यह शरीर की कोशिकाओं को खत्म करने लगता है। यह शरीर की कोशिकाओं पर तेजी से आक्रमण करता है और ऊतकों को भी निष्क्रिय कर देता है। सार्स और मर्स वायरस मरीज के आंतों को पंक्तिबद्ध करने वाली कोशिकाओं को क्षति पहुंचाता है, तभी व्यक्ति को डायरिया की शिकायत होती है। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोविड-19 भी ऐसा करता है कि नहीं।

कोरोना वायरस शरीर के अन्य तंत्रों को भी प्रभावित कर सकता है। साल 2014 में हुए एक शोध में बताया गया है कि मर्स के 92 फीसदी मरीजों में फेफड़ों के अलावा शरीर के दूसरे अंगों पर भी प्रभाव होता है। यह प्रभाव पूरे शरीर पर हो सकता है। कोरोना वायरस से लिवर भी डैमेज हो सकता है।

क्या हैं इससे बचाव के उपाय?

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, हाथों को साबुन से धोना चाहिए, अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रुमाल या टिश्यू पेपर से ढककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

लगभग 18 साल पहले सार्स वायरस से भी ऐसा ही खतरा बना था। 2002-03 में सार्स की वजह से पूरी दुनिया में 700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। पूरी दुनिया में हजारों लोग इससे संक्रमित हुए थे। इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ा था।

अगर ब्लड कैंसर जैसे घातक बीमारियों से बचना है तो समय रहते करे इलाज।

कैंसर जैसी घातक बीमारियों का अगर समय से इलाज शुरू हो जाए तो इससे बचा भी जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार कैंसर सिर्फ एक बीमारी नहीं है बल्कि हर एक अंग का कैंसर एक अलग बीमारी होती है। सामान्य रूप से जानना चाहें तो कैंसर में शरीर के जो सेल्स होते हैं वो अपने आप से बढ़ने लगते हैं। किसी भी जीन में खराबी आ जाने से कैंसर हो जाता है। आज हम ब्लड कैंसर के बारे में बात करेंगे, ब्लड कैंसर क्या है? इसके लक्षण क्या-क्या होते हैं? और इसका इलाज संभव है की नही? आपको बता दें कि कैंसर रेडिएशन एक्सपोजर, केमिकल एक्सपोजर या कुछ जेनिटिक बीमारियों की वजह से हो सकते हैं।

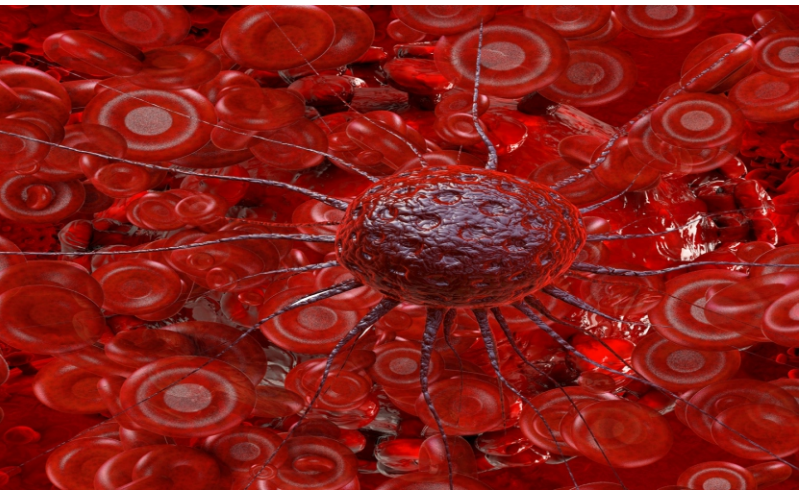

ब्लड कैंसर क्या है?

हमारे अन्दर तीन तरह की कोशिकाएं होती हैं रेड प्लेट सेल्स, व्हाईट प्लेट सेल्स और प्लेटलेट्स। मुख्यतः जो ब्लड कैंसर होता है वो व्हाईट प्लेट सेल्स में होता है। इसे समझने के लिए हम इसे दो भागों में बांट सकते हैं, एक एक्यूट होता है और दूसरा क्रोनिक।

एक्यूट कैंसर बहुत तेजी से बढ़ता है और इसका समय पर समुचित इलाज न मिले तो जान को खतरा हो जाता है। क्रोनिक कैंसर धीरे-धीरे होता है और इसका इलाज भी संभव है। अब इसके कई नाम हैं, अगर बदन में गिल्टियाँ आती हैं, लीवर बढ़ जाता है तो इसे लिम्फोमा कहते हैं और अगर यह ब्लड में ही फैलता है, खून की कमीं हो जाती है, एनीमिया हो जाती है, इन्फेक्शन हो जाते है या प्लेटलेट्स कम होने से रक्तस्राव होता है तो इसे ल्यूकीमिया कहते हैं।

पहचाने इसके लक्षणों को

ब्लड कैंसर का कोई एक लक्षण नहीं होता है। ब्लड कैंसर में खून की कमीं होती है, इसके अलावा एनीमिया, लम्बे समय तक बुखार और शरीर के अंगों से रक्तस्राव होना ब्लड कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। अगर हम कहें की खून की कमीं ही ब्लड कैंसर का प्रमुख लक्षण है तो यह भी गलत है लेकिन जब कई चीजें एक साथ हो जैसा कि ऊपर बताया है तो ब्लड कैंसर हो सकता है।

ब्लड कैंसर का इलाज संभव

ब्लड कैंसर की स्टेज और अन्य कैंसर की स्टेज में काफ़ी अंतर होता है। अगर ब्लड कैंसर है तो शरीर की हर कोशिका में ब्लड होता है इसमें स्टेज का ज्यादा लेना देना नहीं होता है। हमें यह पता करना होता है कि ब्लड कैंसर हुआ कैसे। मैं जो बता रहा हूँ इस पर सभी को ताजुब भी होगा कि अब ऐसी दवाई आ गयी हैं कि हम पहचान लेते हैं कि ब्लड कैंसर की शुरुआत किस कोशिका से हुई है तो दवाई के माध्यम से हम उस कोशिका को ही मार देते हैं और इसे कीमोथेरेपी नहीं कहते हैं।

आने वाले समय में ऐसा भी होने वाला है कि सुगर और डायबिटीज की तरह कैंसर की बीमारी से भी लोग लड़ सकेंगे। कैंसर जैसी बीमारी जिसे हो जाती है तो उससे कहा जा सकेगा कि लिव विद कैंसर। कैंसर का किसी उम्र के साथ कोई लेना देना नहीं है जैसे एक्यूट ल्यूकीमिया छोटे बच्चों में ज्यादा होती है और इसमें ठीक होना के चांस 80-90 प्रतिशत होते हैं। इसलिए ब्लड कैंसर से घबराने की आवश्यकता नहीं है बस समय पर इलाज करवाएं और पूरा इलाज करवाएं।

सही से कराएं जांच

ब्लड कैंसर में प्लेटलेट्स कम हो सकता है और हमें इसे चढ़ाने की भी आवश्यकता पड़ सकती है। अगर हम कैंसर को भूल जाते हैं तो किसी बुखार की वजह से या दवा की वजह से प्लेटलेट्स कम हो सकता है। अगर प्लेटलेट्स 20,000-30,000 से नीचे है तभी समस्या हो सकती है। प्लेटलेट्स काउंट अगर 30,000 से ऊपर है तो कोई समस्या नहीं है। एक चीज और है कि आज कल जो मशीनों से जो जांच हो रही हैं उसमें अगर ठीक तरह से कोई जांच न की गई हो मतलब कि अगर खून की जांच देर में की गई हो तो प्लेटलेट्स गुच्छा बना लेते हैं और वो मशीन में जा नहीं पाते हैं और इसी वजह से प्लेटलेट्स काउंट ज्यादा आ जाता है। इससे कैंसर होने की गलत रिपोर्ट सामने आती है, इसके लिए हमेशा टैस्ट करवाते समय डॉक्टर द्वारा बताए गए सभी नियमों को पूर्णता निभाएं और नमूनों की जांच किसी अच्छी लैब से ही करवाएं।

शरीर में खून की कमी होने से कई तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। महिलाओं में सबसे ज्यादा खून की कमी की समस्या देखी जाती है। खून की इस कमी को एनीमिया के नाम से जाना जाता है। इसमें शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और खून बनना कम हो जाता है। आइए जानते हैं एनीमिया के लक्षण और सही इलाज...

दरअसल, एनीमिया की वजह हमारी अनियमित जीवनशैली और खानपान है। जब हमारे शरीर में खून की कमी होने लगती है तो हम एनीमिया के शिकार हो जाते हैं। एनीमिया के लक्षणों को पहचानना ज्यादा मुश्किल नहीं है, क्योंकि आसानी से पता चल जाता है कि इंसान एनीमिया का शिकार है। दरअसल एनीमिया होने पर आपके शरीर में हर वक्त थकान बनी रहती है।

आपको उठने और बैठने में चक्कर आना और बेहोशी छा जाना भी एनीमिया का ही लक्षण है। एनीमिया होने पर आपकी आंखों और त्वचा में पीलापन आ जाता है और सांस लेने में भी तकलीफ होने लगती है। शरीर में कमजोरी आने के साथ ही अक्सर थोड़ा सा चल लेने में सांस फूलने लगती है।

एनीमिया से बचाव का सबसे अच्छा तरीका आहार में बदलाव करना है। आप अपने आहार में हरी सब्जियों को शामिल करें। चकुंदर, गाजर, ट्माटर और पत्तेदार सब्जियां ज्यादा से ज्यादा खाएं। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए लोहे की कढ़ाई में खाना खाएं। कैल्शियम की बहुत ज्यादा मात्रा न लें।

नोटः एनीमिया के लक्षण दिखने पर फौरन डॉक्टर से सलाह लें।

गृहणी

बदलते मौसम में रखे अपने आप का खास ख्याल।

बदलते मौसम के दौरान ये जरूरी होता है कि स्किन को एक अच्छे क्लीनजर और मॉइस्चराइजर से सुरक्षित किया जाए।

बदलते मौसम का स्किन पर बहुत गहरा असर पड़ता है। आपकी स्किन भी क्या धूप के गहरे प्रभाव में आ जाती है या फिर ठंडी हवा से रुखी हो जाती है। आज हम आपको बता रहे हैं कैसे बदलते मौसम में आप अपनी स्किन की देखभाल करें। बदलते मौसम के दौरान ये जरूरी होता है कि स्किन को एक अच्छे क्लीनजर और मॉइस्चराइजर से सुरक्षित किया जाए। आपके शरीर के अन्य हिस्सों के मुकाबले चेहरे की स्किन के टिश्यूज ज्यादा नाजुक होते हैं, इसीलिए इन्हें अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है।

आपके चेहरे के लिए सही प्रोडक्ट्स के चयन से आप हर मौसम में अच्छी स्किन पा सकते हैं। जैसे सर्दियों में स्किन को मॉइस्चराइज रखना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि सर्दियों में स्किन की नमी खोकर यह रूखी हो जाती है। वैसे ही गर्मियों के दिनों में स्किन को तैलीय होने से बचाना चाहिए। बदलते मौसम में स्किन की सुरक्षा के लिए जरूरी बातें...

1. स्किन के हाइड्रेशन का रखें ख्याल

ये बात न भूलें कि आपके शरीर के हर जगह पर स्किन की मोटाई, अलग-अलग होती है, इसलिए इनके उपाय भी अलग-अलग होते हैं. आप ये बात नहीं जानते होंगे कि आपके शरीर में हाथ और पैर कम तेल उत्पन्न करते हैं, इसलिए इन्हें बार-बार मॉइस्चराइज करने की जरूरत पड़ती है। आपको रात में सोते समय मॉइस्चराइज का इस्तेमाल करना चाहिए. स्किन को मुलायम, लचीला तथा युवा बनाए रखने के लिए मिनरल ऑइल आधारित बॉडी लोशन लगाएं।

2. खरीदने से पहले जानें साबुन के बारे में

साबुन खरीदते समय ध्यान दें कि आप 5 से 5.5 की पीएच वैल्यू के बीच का ही मुलायम साबुन खरीदें। आपको यह बात भी ध्यान रखना चाहिए कि आपके साबुन में पर्याप्त मात्रा में मिनरल ऑयल या ग्लिसरीन मौजूद हो। यदि बाजार में आपको ऐसा साबुन नहीं मिलता तो आप नहाने के बाद मिनरल्स ऑयल पर आधारित बॉडी लोशन या मॉइस्चराइज भी लगा सकते हैं।

3. मौइस्चराइज से जुड़ी बातें जानें

मिनरल ऑइल आपकी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अलग-अलग उम्र में शरीर विभिन्न हॉर्मोन्स पैदा करते हैं और एक उम्र के बाद ऐसा होना बंद हो जाता है, जिससे आपकी स्किन रूखी होने लगती है। इसलिए शरीर को नियमित तौर पर मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी होती है।

4. नहाते समय ध्यान रखें ये बात

अपने शरीर में हमेशा नमी बनाए रखने के लिए एक बात यह ध्यान रखें कि नहाने के बाद आप शरीर को पूरी तरह न सुखाकर, इसे हल्के से पोंछ कर एक अच्छी मॉइस्चराइज क्रीम लगाना चाहिए।

5. पैर का रखें ख्याल

पैरों को सबसे ज्यादा एक्सफोलिएट करने और मॉइस्चराइज करने की जरूरत होती है। आप ये कर सकते हैं कि एक हिस्सा मिनरल ऑइल के साथ दो हिस्सा ग्लिसरीन लें और इसे लगाकर पूरी रात लगाकर रखें। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट होती है और नर्म एवं मुलायम भी बनेगी। गर्मियों के मौसम में भी पैरों को इसकी जरूरत होती है।

गरमागर्म कश्मीरी पालक साग

सामग्री

2 कप पालक, बारीक़ कटी हुई
12-13 लहसुन की कलियां
1 बड़ी इलायची
4 साबुत सूखी कश्मीरी मिर्च
1/4 जीरा
1/2 कप पानी
1 टेबलस्पून राई का तेल
हींग, चुटकीभर
नमक, स्वादानुसार

विधि

1. एक भारी तलीवाले पैन में राई का तेल गर्म करें. उसमें जीरा और लहसुन की कलियां डालकर सुनहरा होने तक भुनें।
2. अब हींग और लाल कश्मीरी मिर्च डालकर कुछ सेकेंड्स के लिए चलाएं।
3. पानी डालकर इसे 4 से 5 मिनट तक उबालें।
4. बारीक़ कटा पालक, नमक डालकर चलाएं और 10 मिनट तक इसे ढककर पकाएं।

गरमागर्म कश्मीरी पालक साग तैयार है। प्रीति गुप्ता

ब्रेकफास्ट में बनाये मक्के के पराठे।

सामग्री-

1 कप (150 ग्राम) मक्का आटा
1 कप (150 ग्राम) गेहूं का आटा
1-2 टेबल स्पून (बारीक कटा हुआ) हरा धनिया
2-3 टेबल स्पून घी
1 (बारीक कटी हुई) हरी मिर्च
½ छोटी चम्मच जीरा
¾ छोटी चम्मच या स्वादानुसार नमक
1-2 छोटी चम्मच तेल

विधि-

- मक्का आटे को प्याले में निकाल लीजिए साथ में इसमें गेहूं का आटा, 3/4 छोटी चम्मच नमक, 1/2 छोटी चम्मच जीरा, 1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, बारीक कटा हरा धनिया, 1-2 छोटी चम्मच तेल डाल दीजिए। सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करते हुए मिलाएं।

-आटे में थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लीजिए। इतना आटा गूंथने के लिए 1 कप पानी का उपयोग हुआ है। गूंथे हुये आटे को ढककर 15-20 मिनिट के लिये रखिये, आटा सैट हो जायेगा।

-20 मिनिट बाद आटे के सैट होने पर, हाथ पर थोड़ा सा घी लगाकर आटे को मसल लीजिए। गुंथे हुये आटे से थोड़ा सा आटा निकालिये और गोल लोई बना लीजिये (लोई को आप अपनी पसंद अनुसार छोटा या बड़ा जैसे चाहें बना सकते हैं)-लोई को सूखे आटे में लपेटकर पतला परांठा बेल लीजिये, बेले हुये परांठे पर थोड़ा सा घी लगाकर चारों और फैला दीजिए। अब इस पर थोड़ा सा सूखा आटा डालकर इसे भी चारों ओर फैला दीजिए।

-चपाती को पतले-पतले स्टैप्स में काट लीजिए। स्टैप्स को उठाकर एक के ऊपर एक करके रखते जाएं। अब इसे रोल करके लोई जैसा बना लीजिए। अब इसे सूखे आटे में लपेट कर गोल हल्का सा मोटा बेल कर तैयार कर लीजिए।

-परांठा सिकने के लिए तवे को गरम कीजिये। थोड़ा घी डालकर चारों और फैलाइये। परांठे को तवे पर डालिये, परांठे को मीडियम आंच पर सिकने दीजिए। परांठे के ऊपर की सतह का कलर डार्क होने पर परांठे को पलट दीजिये, और निचली सतह सिकने पर परांठे की ऊपर की सतह पर घी डालकर

परांठे के ऊपर फैलाइये।

-परांठे को पलटिये और दूसरी सतह पर भी घी डालकर फैलाइये। परांठे को दोनों ओर से ब्राउन चित्ती आने तक सेकिये। सिका परांठा तवे से उतारकर प्लेट पर रखिये। सारे परांठे इसी प्रकार सेक कर तैयार कर लीजिए। इतने आटे से 4 परांठे बनकर तैयार हो जाते हैं। गरमा गरम मक्का परांठा बनकर तैयार है। परांठे को चटनी, अचार, दही या अपनी मनपसंद सब्जी के साथ परोसिये और खाइये।

प्रीति गुप्ता

3 टिप्स से पार्टी लुक को बनाएं और भी बेहतर ।

क्या आप भी किसी पार्टी में अपनी मनपसंद की हीरोइन जैसा स्टाइल चाहती हैं? अगर आपका जवाब हां है तो फॉलो कीजिए ये सिंपल टिप्स।

1. टिप नंबर वन

ग्रूमिंग का सबसे बड़ा हाथ होता है आपकी पूरी लोग को इन हैंस करने में। हर एक्ट्रेस जन्म से ही ब्यूटीफुल और हॉट नहीं होती बल्कि उन एक्ट्रेसेस को सिर से लेकर पांव तक सितारे की तरह चमकने के लिए अच्छी देखभाल और नियमित सैलून विजिट करना

होता है। आपको लगेगा कि 'इसमें मुश्किल ही क्या है?' जी! मुश्किल नहीं तो खर्चीला तो है। आम लोगों के लिए तो यह महंगा ही है। लेकिन आजकल ऑनलाइन ग्रुमिंग टिप्स आसानी से उपल हैं आप उन्हें पढ़कर भी अपनी पूरी पर्सनैलिटी को चेंज कर सकती हैं। आपको बता दें कि ग्रूमिंग का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि आप कॉन्फिडेंट महसूस करने लगती हैं। जिससे लोगों पर आपका इंप्रेशन अच्छा पड़ता है ।वैल ग्रूम्ड होने का मतलब है अच्छी स्किन, अच्छी बौडी ,अच्छी पर्सनालिटी। इसके अंदर ड्रेसिंग सेंस लेकर मेकअप ,हेयर स्टाइल , हावभाव और बोलने के तरीके पर खासा ध्यान दिया जाता है ।यदि आप किसी पार्टी में जाने की सोच रही हैं तो ग्रूमिंग लैसेंस जरूर ले ले।।

2. टिप नंबर दो

आप किसी भी पार्टी में जाएं आपके ड्रेसिंग सेंस का लोगों पर सबसे ज्यादा इंपैक्ट पड़ता है । इस अवसर के लिए ड्रेस चुनना कोई मुश्किल काम नहीं है। अगर कोई काम मुश्किल है तो वह है अच्छी और सही तरह की ड्रेस सेलेक्ट करना । साथ ही लेटेस्ट और ट्रेंडिंग मैचिंग ज्वेलरी, पर्स और फुटवियर का होना भी बहुत जरूरी है। आजकल ऐसे बहुत डिजाइनर शौप है। जहां पर आपको ड्रेस की मैचिंग की (सिर से लेकर पैर तक) सभी असेसरीज आसानी से मिल जाएगी। ऑप्शन तो बहुत हैं और इन्हीं ढेरों ऑप्शंस के चलते कन्फ्यूजन भी हजारों होते हैं। बस आपको चुनाव सही करना है।

3. टिप नंबर तीन

ड्रेस सेलेक्ट करने के बाद बारी आती है मेकअप एप्लीकेशन की। मेकअप आपकी ड्रेस को कौम्पलीमेंट करें यह बेहद महत्वपूर्ण है।

आप चाहे ऑफिस की पार्टी में हो या फिर कॉलेज पार्टी में या फिर आप एक हाउस फंक्शन में ही क्यों न हों सुंदर और मुस्कुराता चेहरा हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेता है और इस मुस्कुराते चेहरे के साथ अगर मेकअप भी ट्रेंडी हो तो, सोने पर सुहागा ।आप महफिल की जान बन जाएंगी। इसके लिए मेकअप और इसे एप्लाई करने की सही जानकारी होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में ये जरूरी है कि मेकअप अप्लाई करने से पहले आपको उसके बारे में कुछ बेसिक बातें पता हों।ज्यादा लाउड मेकअप आपको डिस्को बाल बना सकता है। इसलिए लाइट और क्लासिक मेकअप प्रेफर करें। अगर आप बोल्ड शेड ट्राई करना चाहती हैं तो ध्यान रहे कि आपकी ड्रेस लाइट शेड में हो।

मेकअप के लिए ज्यादातर बॉलीवुड दिवा मेकअप एप्लीकेशन पर ध्यान देती हैं। उन स्टेप्स को फॉलो करके आप पा सकती हैं परफेक्ट मेकअप लुक।

टाइम-पास

दिए गए चित्र में 8 अंतर ढूढो

सुडोकू

सुडोकू खेल में पहले से बॉक्स में कुछ संख्याएँ दी गई होती है जिसमें 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए होते है। इसमें कुछ बॉक्स खाली भी होते है जिन्हें आपको भरना होता है। कोई सा भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7	6		2					4
		1		4			8	
	9		3		1		2	5
8				1				7
	4				2		5	
		5	4		9	8		
		7		6				9
3			8				7	
	2			9		1		

उत्तर:- अगले पेज पर

लोटपोट

बीवी - कल जो भिखारी आया था, वो बहुत चालाक था...
पति - क्यों , क्या हुआ..?
बीवी - कल मैंने उसे खाना खिलाया। और
आज वह मुझे किताब दे गया "खाना बनाना सीखें"

--

स्टूडेंट (टीचर से) : Miss आपने कल मुझे कॉल किया था क्या ..?
टीचर : नहीं तो...?
स्टूडेंट : कमाल है... मेरे फोन पर लिखा था Miss Call

--

मोटू : यार पतलू, आजकल ये आलू क्यों उदास रहता है...?
पतलू : क्योंकि आलू की गर्लफ्रेंड प्याज अब पैसे वाली हो गई है...
मोटू : तो इससे क्या हुआ..?
पतलू : यार तुम नहीं समझोगे, वह अब महंगे लोगों
जैसे एप्पल वगैरह के साथ उठती-बैठती है.....

लड़की- तुम्हारा मोबाइल बहुत बढ़िया है। कितने का है?
लड़का- रेस में जीता है।
लड़की- कितने लोग थे रेस में?
लड़का- मोबाइल शॉप का मालिक, तीन पुलिस वाले और मैं..

समाप्त

बिल्ली को मछली तक पहुंचाने में उसकी मदद कीजिये...

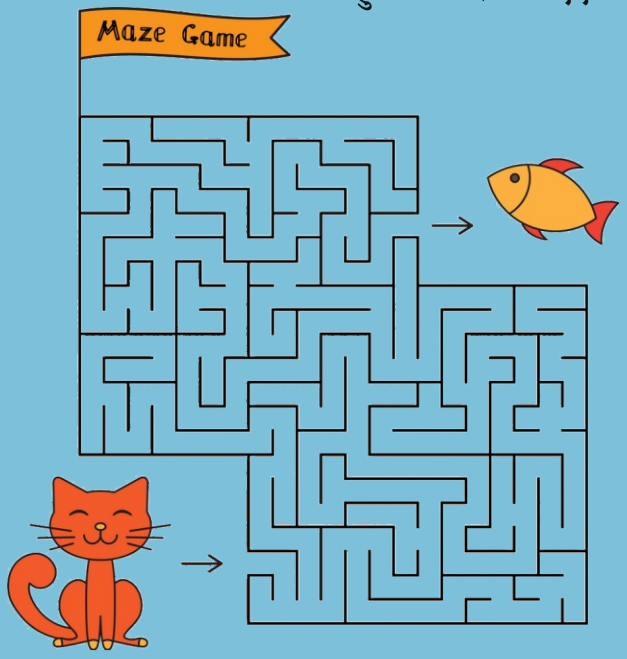

हिंदी पहेलियाँ-बूझो तो जाने

1. रात दिन है मेरा
   तुम्हारे घर में डेरा।
   रोज मीठे गीत से
   करती नया सवेरा।

2. पीपल की ऊंची डाली पर,
   बैठी वह गाती है।
   तुम्हें हमें अपनी बोली में
   वह संदेश सुनाती है।

3. कमर कसकर बुढ़िया रानी,
   रोज सवेरे चलती है।
   सारे घर में घूम-घूमकर
   साफ-सफाई करती है।

4. कमर कसकर बुढ़िया रानी,
   रोज सवेरे चलती है।
   सारे घर में घूम-घूमकर
   साफ-सफाई करती है।

समाप्त

अच्छा हुआ मां मुझे सुनाई नहीं आता
शोर इस संसार का !
मां क्या करूंगा सुनकर इन बलात्कारों
की चीख-पुकार का
ईश्वर ने मुझे सुनने की शक्ति प्रदान न कर
अच्छा ही किया
जिनको श्रवण शक्ति दी मैं दर्शन कर चुका हूं
उनके मौन अपार का !
महज ईश्वर ने हमें बाहर की चकाचौंध
से महरूम रखा है !
किन्तु मन के भीतर हौसलों के समंदर
का हुजूम रखा है
आंखों से देख सकते तो हम पर भी रंग
चढ़े होते संसार के
अनर्गल बातों के अनदेखे एहसासों से
हमें मासूम रखा है !
माँ माना मैं चल नहीं सकता ना ही
कूद फांद सकता हूं !
अपने कर्तव्य और अधिकारों की लाश
कैसे लांघ सकता हूं
मैं तो चलता धीरे-धीरे संभल संभल
कर पग धर ता हूं,
खुद को मिले स्वरूप को हंस-हंस
कर सजोये रखता हूं !

समाप्त
चन्दन सिंह राजपूत

उत्तर

7	6	3	2	5	8	9	1	4
2	5	1	9	4	6	7	8	3
4	9	8	3	7	1	6	2	5
8	3	2	6	1	5	4	9	7
9	4	6	7	8	2	3	5	1
1	7	5	4	3	9	8	6	2
5	8	7	1	6	3	2	4	9
3	1	9	8	2	4	5	7	6
6	2	4	5	9	7	1	3	8

अंतर ढूंढो उत्तर:- पेड़ का पत्ता ,बालटी ,लड़की का छोटी ,लड़की का बाल ,पत्थर ,चोंच ,लड़की का कपड़ा ,हरा पेड़
हिंदी पहेलियाँ-बूझो तो जाने उत्तर- गौरैया, चिड़िया, झाड़ू, टमाटर ।

पाठकनामा

बदलते भारत के नए युवा -

आजादी के इतने सालों में हमारा देश कई बड़े परिवर्तनों का गवाह बना है। राजनीति हो या समाज, अर्थव्यवस्था या फिर संस्कृति, कोई भी समय के गति से अछूता नहीं रहा और इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण रोल अगर किसी का रहा है तो वह हैं युवा।

1980-99 के बीच की हमारी पीढ़ी "मैं पीढ़ी" (Generation Me) के रूप में जानी जाती है। अक्सर हमें ' स्टीरियोटाइप ' बना दिया जाता है ये वो पीढ़ी है जो अन्य पीढ़ियों के तुलना में सबसे अधिक अवसाद में है और हो भी क्यों ना,हमारा सामाजिक करण ही तीन पीढ़ी के मध्य हो रहा या यूं कहें दो विपरीत ध्रुवों के बीच पुल का काम के रहें।

एक तरफ अपने वयस्कों और दूसरी तरफ विकास के अनेक चुनौतियों से जूझने के साथ - साथ आधुनिक काल की बढ़ती मांगों के अनुरूप खुद को ढालते भी हैं।

भारत की उभरती युवा पीढ़ी खुद अपनी पहचान बनाने और आत्मनिर्भर बनने को प्राथमिकता देती है और साथ ही अपनी परम्परागत भूमिका के साथ सामंजस्य स्थापित रखती है। शेष पेज न0 46 पर...

- श्रुतिका सिंह

किसानो पर आवारा छुट्टा पशु कहर

आये दिन सड़को पर आवारा छुट्टा पशु घूमते मिलते है जिससे लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कुछ ऐसे ही खबर है वाराणसी के आराजी लाइन ब्लॉक के निकट आने वाले गांव में छुट्टा आवारा पशुओ से ग्रमीणो और किसानों को काफ़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और दिन-प्रतिदिन काफी समस्या बढ़ती ही जा रही है। ग्राम सभा के सिहोरवा में अभी तक सरकार द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गयी हैं।

- निमांशी पांडेय

बिना छत के जीने को मजबूर, नहीं मिला प्रधानमंत्री आवास

वाराणसी के कुछ ऐसे इलाके है जहां सभी को नहीं मिला प्रधानमंत्री आवास। कुछ लोगों के सर पर आज भी खुली हुयी छत है। वाराणसी के जक्खिनी, सरैया, मिलपीपुर जैसे इलाकों के आस पास के क्षेत्रीय इलाकों मे निर्धनों को पर्याप्त आवास नहीं मिला है। उन बेसहारा लोगों का कहना है कि शासन से हम लोगों को आवास मिल जाता तो हम अपने परिवार के साथ अपने निजी मकान मे रहते है।

- धीरेन्द्र प्रताप

गांवो में सड़कों की हालत पहले जैसी ही कायम, नहीं हुआ विकास

जब भी गांव का नाम याद आता है तो मस्तिष्क के सबसे पहले किसान का ख्याल आता है और किसान ही हमारे देश की उन्नति के प्रथम श्रोत्र माने जाते है। किसी भी देश का विकास तभी हो सकता है जब उस देश के किसानों का विकास हो। उन्हीं किसानों के विकास में रोड़ा बनती चली आ रही सड़कों की दुर्दशा आज भी वैसी ही है। किसानों का कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार तथा केंद्र सरकार चुनाव के समय सिर्फ घोषणाएं ही करते है। आज तक किसान लोन तथा होम लोन की बैंक द्वारा आज भी रिक्वरी जारी है। गरीब किसान इस समस्या से अविलम्ब निजाद पाना चाहते है।

- रविशंकर पटेल

नहीं मिल रही समय से विधवा पेंशन

वाराणसी के आस पास के ग्रामीण इलाकों में आश्रित महिलाओं को समय से नहीं मिल रहे विधवा पेंशन के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।इस संबंध में महिलाओं को समय से पेंशन ना मिलने से बच्चों के पढ़ाई और दैनिक जरूरत चीजें और जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते है। उन्होंने अब सरकार से ये मांग की है कि हम लोगो को समय से पेंशन

डीयू दाखिला: अप्रैल से शुरू करने की...

पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके बाद सभी अन्य पाठ्यक्रमों के दाखिले की प्रक्रिया शुरू की जाए।

कितनी बढ़ जाएंगी सीटें

– डीयू में अब 71 हजार के करीब स्नातक पाठ्यक्रम में सीटें हो जाएंगी। ईडब्ल्यूएस कोटा लागू होने के बाद पिछले वर्ष ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 6 हजार सीटें बढ़ी थीं और पीजी में करीब 1200 सीटें बढ़ी थी।

– इस वर्ष ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए करीब 9 हजार सीटें एवं पीजी के करीब 1800 सीटें बढ़ेंगी। ईडब्ल्यूएस कोटे से पहले डीयू के स्नातक पाठ्यक्रम में करीब 56 हजार सीटें थीं। वहीं पीजी के पाठ्यक्रम में 12 हजार सीटें थीं।

नहीं होगा कोई बड़ा बदलाव

सूत्रों ने बताया है कि इस वर्ष डीयू प्रशासन के दाखिले को लेकर कोई भी बड़ा बदलाव नहीं किया जायेगा। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के तहत डीयू के दाखिले से जुड़े किसी भी तरह के बड़े बदलाव को लेकर डीयू प्रशासन को छह महीने पहले सार्वजनिक नोटिस के जरिए छात्रों को यह बताना होगा कि वह कोई बदलाव कर रहे हैं जिससे छात्र इस बदलाव के लिए तैयार हो सकें। ऐसे में डीयू प्रशासन की तरफ से हाल ही में बीते नवंबर 2019 के समय नई प्रवेश शाखा का गठन किया गया। वहीं अभी तक दिसंबर 2019 से लेकर जनवरी 2020 तक किसी भी तरह के कोई बड़े बदलाव की जानकारी डीयू की तरफ से नहीं दी गई है। अप्रैल से इस वर्ष अकादमिक सत्र के दाखिले की प्रक्रिया की शुरू होने की संभावना है। ऐसे में अब किसी भी तरह के बड़े बदलाव नहीं हो सकते है।

बदलते भारत के नए .....

' अपने मन की बात मान कर जो काम किया जाता है उसमें सफलता की प्रतिशत बढ़ जाता है क्योंकि व्यक्ति खुद को सर्वस्व समर्पित कर देता है।' और आज के युवा भी यही कर रहें।पैसे से ज्यादा वो अपने पैशन को महत्वपूर्ण मानते हैं।आज के युवा सपनों की सतरंगी इबादत गढ़ते हैं।

हमारी आज की युवा ज़िन्दगी की कठोर वास्विकता का सामना करते है और अपनी सोच – समझ और पूरी जानकारी से निर्णय भी लेते हैं।हम अपने अस्तित्व के साथ अपने वजूद, अपने अपनों को और अपनी जड़ सबसे जुड़े होते हैं।

ये हमारी "मैं पीढ़ी" जो हैं न वो अपने देश,समाज,परिवार के साथ – साथ अपने सपनों को भी महत्व देती है और खुद पर भरोसा कर हौसलों की ऊंची उड़ान उड़ने को भी तैयार है।

"बन आजाद परिंदा हम छूने को आसमां बेताब हैं,
चुनौतियों से डर के ना टूटने वाले अब अपने ख़्वाब हैं,
मंज़िल है दूर कहीं पर साहस से जूझने को हम तैयार हैं,
अपने सपनों की सतरंगी इबादत गढ़ने वाले हम आज हैं।"

कोरोना के बाद मंडराया बर्ड फ्लू .....

पक्षियों के जांच के लिए सैंपल बरेली स्थित प्रयोगशाला में भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि फ़िलहाल किसी डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि कोई भी चिकन या किसी पक्षी के कच्चे मांस को नहीं खाते है। उपर्युक्त तापमान पर पकने के बाद बर्ड फ्लू के लक्षण समाप्त हो जाते है।

कोरोना के बाद मंडराया बर्ड फ्लू .....

जुल्फिकार अली भुट्टो पर विपक्ष के नेता की हत्या का मुकदमा चलाया गया जबकि उन्होंने इस कभी कुबूल नहीं किया और इस बात से हमेशा इंकार किया। 18 मार्च 1978 को पाकिस्तान की लाहौर हाई कोर्ट ने उन्हें फांसी की सजा सुनाई फांसी की सजा के खिलाफ उन्होंने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को रद्द कर दिया सजा को बरकरार रखा।

जिसके बाद जुल्फिकार अली भुट्टो को 3 अप्रैल 1979 की रात 2:04 मिनट पर रावल पिंडी की जेल में फांसी दी गयी।

विज्ञापन!

विज्ञापन और अपने पते पर मैगज़ीन प्राप्त करने के लिए 09807505429, 08924881010 पर संपर्क करें!

आवश्यकता है!

FIVE PRODUCTIONS के अंतर्गत बनने वाली शॉर्ट फिल्म्स में अभिनय के लिए 09807505429, 08924881010 पर संपर्क करें!

आवश्यकता है!

न्यूज़ बकेट मार्केटिंग टीम का हिस्सा बनने के लिए 9807505429 पर संपर्क करे।
m@fivealphabets.com
आप हमें अपना बायो-डाटा पर भी भेज सकते है।

पूजा पाठ चेनल द्वारा हिंदू धर्म और संस्कृति की पूर्ण और सही जानकारी देने का उत्तम प्रयास...

FOLLOW US ON:

facebook dailyhunt YouTube

Horoscope videos along with Puja Vidhi and other related videos are available on YouTube in Hindi.
Subscribe Puja Path for Spiritual and Religious Videos!

HOTEL UTSAV RESIDENCY

FACILITIES:

- Take the Charge & Control of or Centralized Air Conditioned Rooms.
- For good picture quality & clear visibility, enjoy our 32" LCD Television.
- 24 Hours Room Service.
- Doctor on Call.
- Laundry Services.
- Medical Centre.
- Free Wifi.

LOCATION:

BABA COMPLEX, BHU ROAD, LANKA, VARANASI

Email: hotelutsavresidency@gmail.com
Tel. 0542-2367080

BABA RESTAURANT

The Restaurant serves everything from traditional Indian, Chinese and Continental Cuisine dishes.

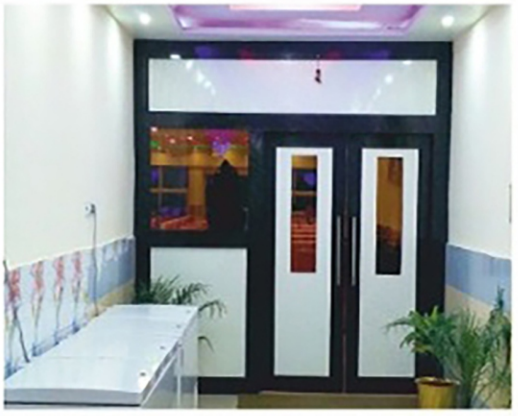

go mmt GROUP
make my trip | goibibo